पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

नतीजों से पहले मुख्यमंत्री की रेस

- बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए
- शिवसेना के नेता संजय शिरसाट ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे ही मुख्यमंत्री पद के असली हकदार हैं
- महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और उद्धव ठाकरे का नाम सीएम के लिए सामने आया

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र का सियासी तापमान चरम पर है। उम्मीदवारों की किस्मत बैलेट बॉक्स में बंद हो चुकी है और ये पिटारा 23 नवंबर को खुलेगा। बस अब मतों की गिनती का इंतजार है। लेकिन उससे पहले ही प्रदेश में मुख्यमंत्री की रेस में कई सारे दावे सामने आए हैं। महायुति में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का कहना है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि मुख्यमंत्री तो देवेंद्र फडणवीस को बनाया जाना चाहिए। दूसरी ओर, शिंदे सेना के नेता संजय शिरसाट कहते हैं कि चुनाव तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के चेहरे पर लड़ा गया तो मुख्यमंत्री के हकदार तो शिंदे ही हैं। इनके अलावा भी अजित पवार के लोग उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और उद्धव सेना की ओर से उद्धव ठाकरे का नाम सामने आ रहा है।

नाना पटोले और संजय राउत ने क्या कहा?

सरकार बनाने को लेकर महाविकास अघाड़ी के घटक दलों की गुरुवार को एक वर्चुअल बैठक हुई और शुक्रवार को तीनों दलों की बैठक होगी। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोढ़े ने बताया कि सरकार बनाने को लेकर बैठक होने वाली है। वैसे नाना को मुख्यमंत्री बनाने की मांग विदर्भ से लगातार उठ रही है। इसके साथ ही नाना पटोले ने दावा किया कि रुझानों के मुताबिक कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलेगा और कांग्रेस के नेतृत्व में एमवीए सरकार बनेगी। जिस पर संजय राउत ने राहुल, प्रियंका, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस आलाकमान से पूछा कि अगर उन्होंने ऐसा कोई फैसला लिया है तो सीएम पद के लिए नाना पटोले के नाम की घोषणा करें। अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है और हम शीर्ष नेता जल्द ही इस पर फैसला लेंगे।

शिंदे गुट के नेता ने किया अलग दावा

दिलचस्प बात यह है कि शिंदे गुट के निवर्तमान विधायक संजय शिरसाट ने कहा कि उन्हें लोगों के जनादेश पर पूरा भरोसा है और हमें विश्वास है कि एकनाथ शिंदे फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे।

BJP को रास नहीं आया ये दावा!

हालांकि, संजय शिरसाट का दावा सहयोगी भाजपा को रास नहीं आया है क्योंकि वे नतीजों से पहले ऐसा कोई दावा करने से खुद को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी एमएलसी प्रवीण दारकेकर ने कहा कि यह संजय शिरसाट की इच्छा हो सकती है और पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं को 100 फीसदी लगता है कि हमारे नेता फडणवीस को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

NCP अजित गुट के नेता का भी बयान

साथ ही एनसीपी अजित पवार गुट के प्रवक्ता संजय तटकरे ने दावा किया कि महायुति 170 सीटें जीतेगी और अजित पवार गठबंधन का अहम दल है। लेकिन सीएम पद पर फैसला तीन शीर्ष नेता और बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा।

2019 प्रकरण दोहराया न जाए, भाजपा को इसकी है चिंता

भाजपा महाराष्ट्र में फिर से महायुति को बहुमत मिलने को लेकर आश्वस्त है। इसके बावजूद अभी यह तय नहीं है कि महायुति का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? दरअसल भाजपा 2019 चुनाव के बाद प्रदेश में बदले सियासी समीकरण के मद्देनजर इस बार चौंकन्नी है। बता दें कि 2019 में भाजपा को 105 सीटें और उसकी सहयोगी शिवसेना को 56 सीटें मिली थी। यह संख्या जरूरी जादुई आंकड़े से अधिक थी। लेकिन तब शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा से नाता तोड़ कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बना ली थी। लिहाजा इस बार भाजपा का फोकस महायुति में शामिल अपने मित्र दलों शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजित) को हर हाल में अपने साथ बनाए रखने पर है। खासकर अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा महायुति की कमजोर कड़ी मानी जा रही है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि गठबंधन की एकजुटता बनी रहे तो मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

परब के करीबी सहयोगी सदानंद कदम को झटका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट से शिवसेना उद्धव गुट के नेता अनिल परब के करीबी सहयोगी सदानंद कदम को झटका लगा है। अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि यह (याचिका) सुनवाई योग्य नहीं है। अदालत ने कदम को 25 लाख रुपए का भुगतान करने के बाद नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल(एनजीटी) में अपने मामले को जाने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया है। न्यायमूर्ति एम.एस.सोनक और न्यायमूर्ति जितेंद्र शांतिलाल जैन की पीठ के समक्ष सदानंद कदम की ओर से वकील साकेत मोने की दायर याचिका पर सुनवाई के लिए आयी। याचिका में भारत सरकार के सीआरजेड के उल्लंघन के लिए दापोली साई रिसॉर्ट को ध्वस्त करने के आदेश को चुनौती दी गयी थी। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल(एनजीटी) में अपील करे। इसके लिए उसे 25 लाख रुपए का भुगतान कर एनजीटी में ले जाने का चार सप्ताह का समय दिया जा रहा है।

बुरे फंसे अडानी

- गौतम अडाणी पर न्यूयॉर्क में धोखाधड़ी का आरोप
- गौतम अडाणी और सागर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी
- दावा- सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट के लिए ₹2200 करोड़ की रिश्वत ऑफर की नेटवर्थ ₹1.02 लाख करोड़ घटी

दीपक पवार | मुंबई/न्यूयॉर्क

अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे।

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है मामला

यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था। बुधवार को इसकी सुनवाई में गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी, विनीत एस जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है।

गिरफ्तारी वारंट जारी

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अडाणी और सागर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया है। सागर अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के अधिकारी हैं।

अमेरिकी निवेशकों का पैसा, इसलिए वहां केस

अडाणी पर आरोप है कि रिश्वत के इन पैसों को जुटाने के लिए उन्होंने अमेरिकी निवेशकों और बैंकों से झूठ बोला। अमेरिका में मामला इसलिए दर्ज हुआ, क्योंकि प्रोजेक्ट में अमेरिका के इन्वेस्टर्स का पैसा लगा था और अमेरिकी कानून के तहत उस पैसे को रिश्वत के रूप में देना अपराध है।

अडाणी बोले- सभी आरोप आधारहीन, खंडन करते हैं

अडाणी ग्रुप ने सभी आरोपों को आधारहीन बताया है। एक बयान में ग्रुप ने कहा - 'अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के डायरेक्टर्स के खिलाफ यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस और यूनाइटेड स्टेट्स सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं। हम उनका खंडन करते हैं।

राजनीतिक बयानबाजी : 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे अडाणी

'PM मोदी अडाणी को बचा रहे'

राहुल गांधी ने अमेरिका में गौतम अडाणी पर लगे करप्शन के आरोपों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अडाणी जी 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे हैं और बाहर घूम रहे हैं, क्योंकि पीएम मोदी उन्हें प्रोटेक्ट कर रहे हैं। गौतम अडाणी ने अमेरिका में क्राइम किया है, लेकिन भारत में उन पर कुछ नहीं हो रहा है। अडाणी की प्रोटेक्टर SEBI की चेयरपर्सन माधबी बुच पर केस होना चाहिए।

भाजपा का जवाब- मां-बेटे खुद जमानत पर हैं

भाजपा ने गुरुवार को कहा अडाणी ग्रुप के खिलाफ अमेरिकी केस में नामित चारों राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं थी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और तमिलनाडु में उसकी सहयोगी पार्टी की सरकार थी। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में राफेल मुद्दा उठाया था, लेकिन बाद में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी।

केन्या ने अडाणी के साथ बिजली-एयरपोर्ट डील रद्द की : केन्या सरकार ने गुरुवार को अडाणी ग्रुप के साथ किए सभी डील रद्द करने की घोषणा की है। इनमें बिजली ट्रांसमिशन और एयरपोर्ट विस्तार जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल थे। दोनों डील 21,422 करोड़ रुपए की थीं। अमेरिका में भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोप लगने के बाद केन्या सरकार ने यह फैसला लिया है।

10 माह में डिजिटल अरेस्ट के 92 हजार केस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 17 हजार से अधिक वॉट्सऐप अकाउंट्स ब्लॉक किए। गृह मंत्रालय (MHA) के मुताबिक, इन अकाउंट्स का इस्तेमाल साइबर क्राइम के नए हथियार डिजिटल गिरफ्तारी के लिए किया जा रहा था। सरकार ने जिन WhatsApp अकाउंट्स पर एक्शन लिया, इनमें ज्यादातर कंबोडिया, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड जैसे देशों से लिंक हैं। जहां से इनका यूज भारत में लोगों को ठगने के लिए किया जा रहा था। बता दें कि इस साल जनवरी से अक्टूबर तक डिजिटल अरेस्ट के 92 हजार से ज्यादा केस दर्ज हो चुके हैं।

मुंबई पुलिस का बड़ा एक्शन

कांग्रेस नेता नसीम खान की रेकी करने वाले दो संदिग्धों से पूछताछ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री नसीम खान की रेकी मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गुरुवार को कांग्रेस नेता की रेकी करने के संबंध में दो संदिग्ध लोगों से पूछताछ की है। सूत्रों के मुताबिक, दो संदिग्ध लोगों ने पुलिस को बताया कि वे 15 नवंबर को मुंबई पहुंच गए थे। इसके बाद मतदान के दिन यानी 20 नवंबर को उन्होंने नसीम खान का पीछा किया। इस दौरान दोनों में से एक शख्स ने पवई हीरानंदानी इलाके में एक कांग्रेस कार्यकर्ता से नसीम खान के बारे में पूछताछ की थी।

फोन की चैट में मिला बड़ा सुराग

रेकी मामले में मुंबई पुलिस कर रही जांच

दरअसल, दोनों संदिग्ध ने गुरुवार को दोपहर को नसीम खान के ऑफिस पहुंच गए थे। इसके बाद दोनों में से एक नसीम खान के बॉडीगॉर्ड से बातचीत की। उस शख्स ने नसीम खान से मिलने के बारे में कहा। उसने नसीम खान के साथ अभद्र भाषा में बात की। इस मामले के बारे में पुलिस को सूचित किया गया। फिलहाल, इस मामले में क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस मिलकर दोनों संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपियों के फोन से लोकश नाम के व्यक्ति के साथ चैट हुई थी। यह चैट सस्पिशियस बताई जा रही है। इस चैट की जांच पुलिस कर रही है।

IAS के. संजय मूर्ति बने नए CAG

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को IAS के संजय मूर्ति को नए CAG (कम्पट्रोलर एण्ड

ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया) पद की शपथ दिलाई। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1989 बैच के IAS अधिकारी मूर्ति, गिरीश चंद्र मुर्मू का स्थान लेंगे। केंद्र ने सोमवार को मूर्ति को नया CAG नामित किया था। गिरीश चंद्र मुर्मू ने बुधवार को CAG के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया था। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित अन्य मौजूद थे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 66 प्रतिशत हुआ मतदान

धीरज सिंह | मुंबई

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 66 प्रतिशत मतदान हुआ। वर्ष 2019 में 61.1 प्रतिशत मतदान हुआ था। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए बुधवार को मतदान हुआ था, जबकि मतगणना शनिवार को होगी।

सबसे ज्यादा कोल्हापुर में मतदान

राज्य में सबसे ज्यादा कोल्हापुर में 76.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि गडचिरौली में 75.26 प्रतिशत मतदान हुआ, जहां कुछ क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद प्रभावित हैं। सबसे कम मतदान मुंबई में 52.07 प्रतिशत तथा महानगर के उपनगरीय जिले में 55.95 प्रतिशत रहा। चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु के 68,000 से अधिक नागरिकों और 12,000 दिव्यांग व्यक्तियों ने घर पर मतदान (सुविधा) के माध्यम से अपने वोट डाले। बयान में कहा गया, 'इसके अतिरिक्त, आवश्यक सेवाओं से जुड़े 36,000 मतदाताओं ने डाक मतदान का उपयोग किया। चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं को कुल 466,823 डाक मतपत्र जारी किए गए और सेवा मतदाताओं के लिए लगभग 16,000 इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्र (ईटीपीबी) स्वीकार किए गए।'

288 मतगणना केंद्र

कुल 288 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से एक नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए भी है, जो 20 नवंबर को हुआ था। बयान में कहा गया है कि 'कुल 288 मतगणना पर्यवेक्षक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की निगरानी करेंगे, जबकि नांदेड़ (उपचुनाव) में मतगणना की निगरानी के लिए दो पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है।'

नवी मुंबई हवाई अड्डे के पास 'अनधिकृत' दरगाह को सिडको ने किया ध्वस्त

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास कथित रूप से अवैध तौर पर बने दरगाह को बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया गया। शहर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह संरचना राज्य योजना प्राधिकरण, सिडको की भूमि पर स्थित है और 2011 से इसमें कई बार अवैध निर्माण हुए हैं।

क्या कहा सिडको के अधिकारी ने ?

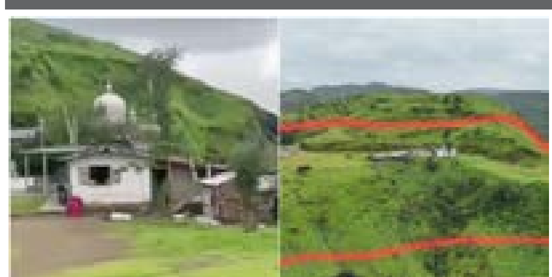

सिडको के अधिकारी ने बताया, 'हमने जांच शुरू की और दरगाह के मुतवल्ली ('ट्रस्टी') उसके स्वामित्व के लिए वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद अदालत के आदेश पर ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया।'' हिंदू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के समन्वयक सुनील घनवट ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह दरगाह के खिलाफ किए गए उनके अभियान की जीत है। घनवट ने दावा किया, ''यह लंबे समय से प्रतीक्षित कार्रवाई समिति के अथक प्रयासों का परिणाम है, जो संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। अनधिकृत दरगाह हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र के लिए सुरक्षा खतरा पैदा करती है।'' उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत सिर्फ चार पत्थरों से हुई थी, बाद में इसमें परिसर, गुंबद, पानी के फव्वारे, विश्राम क्षेत्र आदि का विस्तार किया गया।

भारत वापस लाया गया मजदूर

▶▶ मालदीव में कराई जा रही थी जबरन मजदूरी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भायंदर निवासी एक व्यक्ति को मालदीव से भारत वापस लाया गया है। वह वहां एक रिसॉर्ट में शेफ के रूप में कार्य कर रहा था तथा कथित तौर पर शोषण तथा जबरन मजदूरी का शिकार हुआ था। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मालदीव में भारतीय उच्चायोग के सहयोग से मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस के 'भरोसा सेल' के प्रयासों से मान पारेख (24) को उसके परिवार से मिलवाया गया।

'रिसॉर्ट' में 'शेफ' के तौर पर कर रहा था काम

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) (अपराध) मदन बल्लाल ने बताया, ''वह पिछले साल दिसंबर में एक 'रिसॉर्ट' में 'शेफ' के तौर पर काम करने के लिए मालदीव गया था। उसकी नौकरी का प्रबंध एक स्थानीय एजेंट ने करवाया था। वहां जाकर व्यक्ति ने खुद को दमनकारी और अपमानजनक कार्य वाले माहौल में फंसा हुआ पाया। उसे प्रतिदिन लगभग 20 घंटे काम कराया जाता था और खराब गुणवत्ता का खाना दिया जाता था, जबकि अन्य सुविधाएं भी घटिया दी जाती थीं।'

एसीपी ने कहा, 'उसके माता-पिता ने 'रिसॉर्ट' के प्रबंधन से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने पिछले छह महीनों में उसे वापस लाने के लिए कई तरीके आजमाए और अंत में 15 नवंबर को उन्होंने 'भरोसा सेल' से संपर्क किया। सेल की वरिष्ठ निरीक्षक तेजश्री शिंदे ने वहां भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया और अन्य औपचारिकताएं पूरी की, जिसके बाद 18 नवंबर को पारेख को भारत वापस भेज दिया गया।'

सिविल अस्पताल में घुटने की कठिन सर्जरी को मिली सफलता

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

सिविल अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विलास सालवी व उनकी टीम की ओर से एक व्यक्ति के टूटी हुई हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया ठाणे रेतीबंदर परिसर का रहिवासी प्रकाश(55) घर से बाहर चलते हुए ठोकर लगने से चलने फिरने में तकलीफ होने लगा। निजी डॉक्टर के सलाह पर सिविल अस्पताल में अच्छे उपचार के लिए परिवार के लोग भर्ती कराया। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार व जिला शल्य चिकित्सक डॉ धीरज महांगड़े के मार्गदर्शन में प्रकाश के घुटने का सर्जरी हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर विलास सालवी के देख रेख में किया गया। प्रकाश के पैर का सर्जरी करने के लिए जटिल समस्या थी। सिविल अस्पताल की टीम के डॉ प्रियांका महांगड़े, डॉ अश्विन शिंदे,डॉ सुशांत गावड़े,मिलिंद दौड़े,रत्नाकर ठाकरे आदि के अथक परिश्रम से सर्जरी सफल हुआ।

महाराष्ट्र में मतदान वाले दिन करीब 150 मामले हुए दर्ज

▶▶ चुनाव आयोग ने की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में (20 नवंबर) को वोटिंग के बाद अब नतीजों का इंतजार है। इस बीच ये खबर सामने आई है कि राज्य में वोटिंग वाले दिन करीब 150 मामले दर्ज किए हैं। चुनाव आयोग की तरफ से ये कार्रवाई की गई। पूरे महाराष्ट्र में 20 नवंबर को यानी मतदान वाले दिन चुनाव आयोग ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए थे। किसी भी तरह की दुर्घटना ना हो सके, इसका पूरा ख्याल रखा गया था और इसी सतर्कता के मद्देनजर EC ने सख्त एक्शन लिया। चुनाव आयोग की तरफ से दर्ज किए गए इन मामलों में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले, कुछ जगहों पर आपराधिक मामले शामिल हैं। बीड, नागपुर, नांदगांव में गंभीर आपराधिक घटनाओं को लेकर कार्रवाई की गई है।

कई जगह नकदी नोट, ड्रग्स और शराब बरामद

बता दें कि जिस दिन से आचार संहिता लगी है, पूरे महाराष्ट्र में चुनाव आयोग सक्रिय है। राज्य में अलग-अलग जगहों पर चुनाव आयोग के दस्ते जांच पड़ताल कर रहे हैं, जिसमें भारी मात्रा में नगदी नोट समेत कई जगहों पर कीमती सामान भी पकड़े गए। कुछ जगहों पर ड्रग्स के अलावा भारी मात्रा में शराब की खेप भी पकड़ी गई थी।

धुले में भारी मात्रा में चांदी जब्त

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को हुए मतदान के दिन धुले जिले में पुलिस ने एक ट्रक से 10,080 किलोग्राम चांदी जब्त की। नासिक के विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रेय कराले ने बताया कि थलनेर थाना क्षेत्र में नियमित जांच के दौरान सुबह करीब छह बजे नागपुर की ओर जा रहे एक ट्रक से यह जब्ती की गई। महाराष्ट्र में बीड जिले के घाटनंदूर में कुछ मतदान केंद्रों में तोड़फोड़ करने और कुछ ईवीएम को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पुलिस ने करीब 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों द्वारा किए गए हमले में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। इन घटनाओं के अलावा, इससे पहले चुनाव आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन के करीब 550 मामले दर्ज किए थे।

कोर्ट ने आयकर विभाग द्वारा कंपनी के खिलाफ जारी आदेश को किया रद्द

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

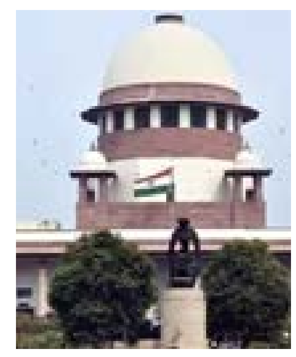

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक कंपनी के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा जारी आदेश को लेकर अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि आयकर के मुख्य आयुक्त को धारा 234 सी के तहत ब्याज माफी के लिए करदाता द्वारा उठाए गए मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए था। अदालत ने आयकर विभाग के द्वारा कंपनी के खिलाफ जारी आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता द्वारा छूट के लिए दायर याचिका पर नए सिरे से विचार करने के लिए कार्यवाही को वापस भेज दिया, जिससे उसके गुण-दोष के आधार पर निर्णय लिया जा सके। न्यायमूर्ति जी.एस.कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत एम.सेथना की पीठ ने ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की दायर याचिका पर कहा कि आयकर के मुख्य आयुक्त का ऐसा दृष्टिकोण याचिकाकर्ता (करदाता) द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण तर्कों पर विचार न करने को दर्शाता है। पीठ ने स्वीकार किया कि महामारी के कारण याचिकाकर्ता की कुल आय और उसके राजस्व पर गंभीर वित्तीय बाधाएं और प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आयकर विभाग के विवादित आदेश में महामारी के कारण ब्याज की छूट पर याचिकाकर्ता के प्राथमिक प्रस्तुतिकरण पर कहीं भी विचार नहीं किया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

याचिकाकर्ता का दावा है कि उसने 365 करोड़ 12 लाख 48 हजार 710 रुपए की आय घोषित करते हुए अपना रिटर्न दाखिल किया, जिसमें 1157 करोड़ 63 लाख 40 हजार 425 रुपए का बुक प्रॉफिट और 3 करोड़ 88 लाख 59 हजार 353 रुपए के ब्याज सहित 206 करोड़ 3 लाख 13 हजार 939 रुपए का कुल कर शामिल है। याचिकाकर्ता ने रिटर्न दाखिल करते समय 171 करोड़ रुपए का कुल अग्रिम कर और 3 करोड़ 88 लाख 59 हजार 353 रुपए का कुल ब्याज चुकाया है। इसलिए याचिकाकर्ता ने धारा 234सी के तहत लगाए गए ब्याज को माफ करने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया, जिसे आयकर विभाग ने खारिज कर दिया गया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

महाराष्ट्र के चार युवा कलाकारों को उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के चार युवा कलाकार नागेश शंकरराव अडगांवकर, सारंग राजन कुलकर्णी, प्रियंका शक्ति ठाकुर और प्रमिला कौटिकराव सूर्यवंशी उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार से सम्मानित होंगे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार को यहां आयोजित एक समारोह में यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। संगीत नाटक अकादमी की ओर से 82 युवा कलाकारों को वर्ष 2022-23 के लिए प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार दिए जायेंगे। पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ संध्या पुरेचा और संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव उमा नंदूरी करेगी। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरसक्रा हर वर्ष संगीत, नृत्य, नाटक, लोक और दिवासी कला औक कठपुतली के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा कलाकारों को दिया जाता है। महाराष्ट्र से वर्ष 2022 के लिए प्रमिला सूर्यवंशी को लोक नृत्य के लिए, वर्ष 2023 के लिए प्रियंका ठाकुर को पारंपरिक रंगमंच, सारंग कुलकर्णी और नागेश अडगांवकर को संगीत (सरोद) क्षेत्र में यह पुरस्कार मिला है।

संत नामदेव शिम्पी समाज की ओर से कल्याण में राज्य स्तरीय वर-वधू सम्मेलन का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

ठाणे जिले के भिवंडी शहर में एकमात्र संत शिरोमणि नामदेव महाराज के मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए नामदेव शिम्पी समाज की ओर से कल्याण में एक भव्य राज्य स्तरीय वर-वधू अभिभावक बैठक का आयोजन भिवंडी नामदेव शिम्पी समाज की ओर से किया गया। यह धार्मिक और सामाजिक गतिविधि कार्यक्रम

नामदेव शिम्पी समाज बंधुओं के उत्थान एवं नामदेव महाराज के मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु आयोजित किया गया है। कार्यक्रम रविवार 24 नवंबर 2024 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कल्याण में आचार्य अत्रे नाट्यगृह सुभाष मैदान के पास मराठा मंदिर हॉल में आयोजित किया जाएगा। नामदेव, अहीर, भावसार, वैष्णव, सभी दर्जी समाज के भाई बंधु से ठाणे जिले के नामदेव शिम्पी उन्नति मंडल, भिवंडी और संबद्ध नामदेव शिम्पी समाज मंडल ने वर-वधू के माता-पिता से राज्य स्तरीय वर-वधू अभिभावक बैठक में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

मुंब्रा-कलवा विधानसभा क्षेत्र

मतगणना निरीक्षक पद पर कमलेश कुमार भादू की नियुक्ति

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

केंद्रीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-2024 के लिए 149 मुंब्रा-कलवा विधानसभा चुनाव के मतगणना निरीक्षक पद पर कमलेश कुमार भादु को नियुक्त किया है।149 मुंब्रा-कलवा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवारों या नागरिकों को मतगणना के संबंध में कोई शिकायत हो तो शिकायतकर्ता ई-मेल आईडी countobserver149@gmail.com पर शिकायत कर सकते हैं या कमलेश कुमार भादू से संपर्क 3-4, ग्राउंड फ्लोर, रेमंड गेस्ट हाउस, जे.के. में सुबह 10 बजे से 11बजे तक कर सकते हैं।यह जानकारी चुनाव अधिकारी विट्ठल इनामदार ने दी।

अनधिकृत बैनर और होर्डिंग हटाने के लिए मनपा का विशेष अभियान

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में अनाधिकृत बैनर/होर्डिंग हटाने का विशेष अभियान 25 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक चलाया जा रहा है. यह अभियान सभी आठ विभागों में चलाया जायेगा और अनाधिकृत बैनर/होर्डिंग्स हटाये जायेंगे. इस अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र में लगे अनाधिकृत बैनर/होर्डिंग्स तथा जिनकी अनुमति समाप्त कर दी गयी है, उन्हें हटाया जायेगा तथा हटाने की जुर्माना राशि संबंधित से वसूली जायेगी।

कोल्हापुर जिले के सभी निर्वाचन क्षेत्र मतगणना के लिए तैयार

▶▶ चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

डीबीडी संवाददाता | कोल्हापुर

राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर कल हुए मतदान के बाद वोटों की गिनती शनिवार 23 नवंबर को होनी है। इस क्रम में कोल्हापुर जिले की 10 विधानसभा सीटों के लिए भी वोटों की गिनती होनी है। इसके लिए यहां सभी तैयारियां हो गई हैं। कोल्हापुर दक्षिण और हातकणंगले निर्वाचन क्षेत्रों की गिनती 16 टेबलों पर की जाएगी, जबकि शेष 8 निर्वाचन क्षेत्रों की गिनती 14 टेबलों पर की जाएगी। वोटों की गिनती शनिवार सुबह 8 बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल वोटों की गिनती शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से ईवीएम पर वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी।

अलर्ट मोड पर जिला प्रशासन

यहां ईवीएम की गिनती के लिए कुल 633 कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जबकि पोस्टल गिनती के लिए कुल 693 कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा डाक मतपत्रों की स्कैनिंग के लिए 138 कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। मतगणना के लिए नियुक्त कर्मचारियों का रैंडमाइजेशन गुरुवार को किया गया। इस दौरान यह तय किया गया कि किस निर्वाचन क्षेत्र में कौन से कर्मचारी नियुक्त किये जायेंगे। जिस निर्वाचन क्षेत्र में कर्मचारी की नियुक्ति हुई है, वहां इन कर्मचारियों का द्वितीय मतगणना प्रशिक्षण कल शुक्रवार को होगा। मतगणना के दिन शनिवार की सुबह तीसरा राउंड होगा, तब पता चल जाएगा कि किस टेबल पर कौन से कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसके बाद वोटों की वास्तविक गिनती शुरू होगी। पूरी चुनाव व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर अमोल येडगे समेत पूरा चुनाव तंत्र इसके लिए काम कर रहा है।

इन स्थानों पर की जाएगी वोटों की गिनती

1) कोल्हापुर साउथ-वी.टी. पाटील सभागार, ताराराणी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
2) करवीर- अनाज गोदाम, रामानमला, कस्बा बावड़ा
3) कोल्हापुर उत्तर- अनाज गोदाम, रामनमाला, कस्बा बावड़ा
4) शाहुवाड़ी- पुराना अनाज गोदाम, पश्चिम दिशा, तहसील कार्यालय के पास, शाहुवाडी
5) चंदगड- पवेलियन हॉल, गडहिंग्लज
6) राधानगरी तहसील खेल परिसर, भुदरगढ़
7) हातकणंगले- अनाज गोदाम क्रमांक-2। कंगन
8) इचलकरंजी- राजीव गांधी सांस्कृतिक भवन, क्लॉथ मार्केट, इचलकरंजी
9) शिरोल- मध्यवर्ती प्रशासकीय नवोदय इमारत, ग्राउंड फ्लोर, शिरोल
10) कागल- जवाहर विद्यालय, सांगाव रोड, कागल

विधानसभा क्षेत्रवार राउंड में होगी गिनती

इस दौरान चंदगड में 28 राउंड, राधानगरी में 31 राउंड, कागल में 26 राउंड, कोल्हापुर दक्षिण में 23 राउंड, करवीर में 26 राउंड, कोल्हापुर उत्तर में 23 राउंड, साहूवाड़ी में 25 राउंड, हातकणंगले में 21 राउंड, इचलकरंजी में 20 राउंड और शिरोल में 22 राउंड्स में गिनती होगी।

भारी पुलिस बल की तैनाती

जिला पुलिस प्रशासन के अनुसार शनिवार को होने वाली मतगणना के दिन कुछ विधानसभा क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जायेगा। इस दौरान कोल्हापुर शहर, करवीर, कागल और इचलकरंजी निर्वाचन क्षेत्रों पर पुलिस प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। पुलिस प्रशासन ने कहा कि इस दौरान इस बात की पूरी कोशिश की जाएगी कि कहीं भी किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो।

3 साल की बच्ची का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला

तीन दिन से लापता थी लड़की

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है जिसमें हिल लाइन पुलिस स्टेशन के करीब एक 3 साल की मासूम बच्ची की गड्ढे से अधजला शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई।

केस डायरी

उल्हासनगर कैंप 3 के ओटी सेक्शन इलाके में रहने वाली 3 साल की एक बच्ची सोनम (बदला हुआ नाम) 18 तारीख को घर से खेलते समय लापता हो गई थी।काफी तलाश व खोजबीज के बाद पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया था .जिसकी आज गुरुवार को सोनम की आंशिक रूप से अर्ध जला हुआ शव उल्हासनगर कैंप 5 हिल लाइन पुलिस स्टेशन के पीछे एक गड्ढे में मिला।सोनम का शव मिलने के बाद से कई सवाल उठ रहे हैं. पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि सोनम के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद हत्या के कारणों का पता चलेगा।

स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी खराब

सपा विधायक रईस शेख ने चुनाव अधिकारी से की शिकायत

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी पूर्व क्षेत्र से समाजवादी पार्टी महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार रईस शेख ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस चोकलिंगम को पत्र लिखकर स्ट्रॉन्ग रूम में अस्थिर सीसीटीवी की शिकायत की है और निर्बाध सीसीटीवी जारी रखने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में दायर शिकायत में शेख ने कहा है कि 20 नवंबर 2024 को मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ठाणे जिला के भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में भादवड़ स्थित संपदा हॉल में मतपेटियां एक स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। यहां उन पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी ट्रांसमिशन की व्यवस्था की गई है। शेख ने बताया कि 21 नवंबर, 2024 को दोपहर 12 बजे के बाद से यहां सीसीटीवी ट्रांसमिशन में लगातार अस्थिरता दिखाई दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस अस्थिरता के कारण मतपेटियों की सुरक्षा या किसी अप्रिय घटना को लेकर किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए शेख ने मांग की है कि सीसीटीवी प्रसारण को सुचारू और निर्बाध बनाया जाना चाहिए।

00000000000

निशांत के. शर्मा
न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, और
एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टेंट
मो.: 9305793058

भैरव बाबा का प्रिय भोग- काल भैरव की पूजा में उन्हें तिल व उड़द अर्पित किया जाता है। भैरव बाबा का प्रिय भोग इमरती, जलेबी, पान व नारियल है।

न्यूज ब्रीफ

रविवार को पश्चिम रेलवे पर दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शुक्रवार एवं शनिवार यानि 22/23 नवंबर, 2024 की मध्य रात्रि को सभी गुड्स लाइनों सहित वसई रोड यार्ड में 00:15 बजे से 03:15 बजे तक 03 घंटे का रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। तदनुसार, रविवार, 24 नवंबर, 2024 को पश्चिम रेलवे उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

47वें बॉम्बे YMCA एथलेटिक मीट का उद्घाटन कर

मुंबई। पद्मश्री वंदना कटारिया, ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी, ने मुंबई यूनिवर्सिटी पवेलियन में 47वें बॉम्बे YMCA एथलेटिक मीट का उद्घाटन कर खेल भावना को प्रज्वलित किया। इस आयोजन में महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से आए 3,100 से अधिक एथलीट्स ने भाग लिया। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार और पदक भी वितरित किए। इस अवसर पर बॉम्बे YMCA के उपाध्यक्ष और पीआर एवं सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष माइकल मैनुएल राज, बॉम्बे YMCA के महासचिव ऑस्टिन कुंदर, फिजिकल एजुकेशन विभाग के सचिव अमुलराज, अन्य गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक, और उभरते एथलीट उपस्थित थे। यह चार दिवसीय आयोजन 24 नवंबर 2024 को समाप्त होगा।

महाराष्ट्र SSC-HSC बोर्ड की डेटशीट जारी

मुंबई। महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी 2025 से शुरू होंगी. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (MSBSHSE) पुणे ने महाराष्ट्र बोर्ड सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (SSC या कक्षा 10वीं), हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (HSC या कक्षा 12वीं) और वोकेशनल स्ट्रीम बोर्ड एग्जाम की डेटशीट 2025 जारी कर दी है. बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स महाराष्ट्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट mahahsscboard.in पर जाकर अपना सब्जेक्ट वाइज टाइम टेबल चेक और डाउनलोड कर सकते हैं. जारी शेड्यूल के अनुसार, महाराष्ट्र बोर्ड एसएससी की बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से शुरू होंगी और 17 मार्च 2025 तक चलेंगी. वहीं महाराष्ट्र बोर्ड एचएससी और वोकेशनल स्ट्रीम परीक्षाएं 11 फरवरी से 11 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएंगी.

मुंबई में लोगों के मतगणना केंद्रों के पास एकत्र होने पर रोक

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक आदेश जारी कर शहर के सभी 36 मतगणना केंद्रों के 300 मीटर के दायरे में लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान हुआ था, जिसकी मतगणना शनिवार को की जाएगी। मुंबई में 36 विधानसभा क्षेत्र हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात लोक सेवकों के अलावा कोई भी व्यक्ति किसी भी मतगणना केंद्र के 300 मीटर के दायरे में एकत्र नहीं होगा।

शिवाजी की मूर्ति ढहने का मामला

हाई कोर्ट ने सलाहकार चेतन पाटिल को दी जमानत

कहा- उनके खिलाफ नहीं बनता कोई मामला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सलाहकार चेतन पाटिल को जमानत दे दी, जिसे अगस्त महीने में मालवन के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग जिले में प्रतिष्ठित मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची मूर्ति ढह गई थी, जिसका लगभग नौ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना दिवस पर अनावरण किया था।

30 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था चेतन पाटिल

इस मामले में चेतन पाटिल को 30 अगस्त को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था। वहीं मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ए एस किलोर की एकल पीठ ने गुरुवार को कहा कि चेतन पाटिल को मामले में फंसाने का कोई मामला नहीं बनता, क्योंकि उन्हें मूर्ति का संरचनात्मक डिजाइनर नियुक्त नहीं किया गया था।

दूसरे आरोपी की याचिक पर 25 नवंबर को होगी सुनवाई

मामले में पीठ ने आगे कहा कि चेतन पाटिल ने केवल मूर्ति के आधार की संरचनात्मक स्थिरता रिपोर्ट प्रस्तुत की थी और गिरने के बाद भी आधार बरकरार था। वहीं इस मामले में एक अन्य आरोपी जयदीप आप्टे, जो मूर्तिकार और ठेकेदार था, को भी गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि वह 25 नवंबर को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा।

शिवाजी की मूर्ति ढहने पर दोनों पर दर्ज किया गया था केस

सिंधुदुर्ग पुलिस ने पिछले महीने जयदीप आप्टे और चेतन पाटिल के खिलाफ मूर्ति ढहने के मामले में लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की थी। चेतन पाटिल और जयदीप आप्टे ने सत्र न्यायालय की तरफ से उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

चुनावी राज्य में खूब गर्माया था मुद्दा

छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के मामले को लेकर राज्य में बड़े पैमाने पर राजनीतिक बयानबाजी हुई थी। इस पर राज्य में विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा था। वहीं इस मामले में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री ने भी राज्य की जनता से माफी मांगी थी।

महाराष्ट्र में हम 170 से ज्यादा सीटें जीतेंगे : राम कदम

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले बीजेपी नेता राम कदम ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हम 170 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। निर्दलीय और छोटी पार्टियों की हमें जरूरत नहीं पड़ेगी। मगर, हम सबको साथ लेकर चलेंगे। एग्जिट पोल में अनुमान लगाया जा रहा है। हम उससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। राम कदम ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी ने झूठ बोला था। इनके झूठ का गुब्बारा फूट गया है। लोग सच जान गए हैं। लोग लाडली बहन, लाडला भाई और लाडला किसान जैसी योजनाओं पर भरोसा कर रहे हैं। पूर्व में इनकी सरकार ने राज्य में विकास कार्य रोक दिए थे। हमारी सरकार ने राज्य का विकास किया है।

'ये करप्शन और चोरी करने के लिए साथ आए थे'

बीजेपी नेता राम कदम ने इंडिया गठबंधन पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में मचे घमासान से साफ दिखने लगा है कि ये पहले एक साथ थे, अब आम आदमी पार्टी एकतरफा अपने उम्मीदवार घोषित कर रही है। इनका गठबंधन नहीं है। ये करप्शन और चोरी करने के लिए साथ आए थे।

अच्छे काम के पक्ष में मतदान करते हैं लोग : चंद्रशेखर

राम कदम के साथ ही महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता महायुति के साथ है। डबल इंजन सरकार लोगों की भावना है। मतदान प्रतिशत में इजाफा को हमारे पक्ष में है। जब कोई मतदाता उत्साह के साथ बाहर आता है तो वो सरकार और अच्छे काम के पक्ष में मतदान करता है। चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया, बहनों ने खूब वोट किया है। किसानों ने भी जमकर मतदान किया है। जो लोग डबल इंजन की सरकार चाहते हैं, उन्होंने वोट दिया है। शहरी से लेकर ग्रामीण मतदाता हमारे पक्ष में हैं। कांग्रेस ने लोकसभा में झूठ बोलकर लोगों के वोट लिए थे। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। हमारी अच्छी जीत होगी। उम्मीद से भी बड़ी जीत होगी।

मध्य रेलवे का कार्तिकी एकादशी मेले के दौरान सफल प्रबंधन

यात्री सुविधा के लिए किए गए विशेष इंतजाम

1. उन्नत यात्री सुविधाएं
2. चिकित्सा सेवा विस्तार
3. स्वच्छता एवं सफाई प्रबंधन
4. सुरक्षा व्यवस्था
5. प्रभावी संचार और मार्गदर्शन
6. ट्रेन परिचालन
7. शून्य दुर्घटना की उपलब्धि'

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कार्तिकी एकादशी एक महत्वपूर्ण त्यौहार है जिसमें लाखों भक्त भगवान विट्ठल के दर्शन के लिए महाराष्ट्र के पंढरपुर में आते हैं। इस वर्ष कार्तिकी एकादशी मेले के लिए विभिन्न स्थानों से पंढरपुर आने वाले भक्तों की भारी भीड़ रही। मध्य रेल ने कार्तिकी एकादशी मेला-2024 के सफल प्रबंधन में प्रभावी भूमिका निभाई है जिसमें 10 से 15 नवंबर 2024 तक मेला अवधि के दौरान पंढरपुर में 1 लाख से अधिक भक्तजन आए । मंडल ने इस अवधि के दौरान पंढरपुर स्टेशन पर 98 नियमित ट्रेनों के अलावा 57 विशेष ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया। स्टेशन पर कुल 1.09 लाख यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई। दर्शन के लिए आने वाले लाखों यात्रियों के लिए, रेलवे परिसर में सुगम, सुरक्षित यात्रा और आरामदायक प्रवास सुनिश्चित करने के लिए मध्य रेल ने सभी प्रयास किए ।

अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय

मंडल ने सुचारू भीड़ प्रबंधन की सुविधा के लिए राज्य प्राधिकारियों के साथ नजदीक समन्वयन के साथ काम किया। होल्डिंग एरिया, विशेष ट्रेनों के लिए स्क्रैच रेक और अस्थायी वॉटरप्रूफ शेल्टर जैसे उपायों ने आयोजन की सफलता में योगदान दिया। मध्य रेल सभी यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समृद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्तिकी मेले का संचालन सावधानीपूर्वक योजना और त्रुटिहीन निष्पादन के साथ बड़े आयोजनों को संभालने में मंडलीय टीमों के समर्पण और दक्षता का प्रमाण है।

बैंक में 35 खाते खोलकर धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति को एक बैंक की शाखा में खोले गए 35 खातों में से एक के जरिये धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अपराध का यह मामला पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की कुर्ला शाखा में सामने आया और आरोपी की पहचान रायगढ़ जिले के कर्जत निवासी आमिर फिरोज मनियार के रूप में हुई है।

केस डायरी

उन्होंने बताया, 'मनियार अक्सर अलग-अलग लोगों के

साथ बैंक में जाता था और बिना वजह के वहां बैठा रहता था। एक बार बैंक के प्रबंधक ने उससे पूछा कि वह हमेशा अलग-अलग लोगों के साथ क्यों आता है। उसने बताया कि वह दूसरों को बैंक खाते खोलने में मदद करता है। उसने यह भी बताया कि वह आयात-निर्यात का व्यवसाय करता है और उसने अपने 10 रिश्तेदारों की बैंक में खाते खोलने में मदद की है।'' अधिकारी ने बताया कि इसके बाद प्रबंधक ने उससे उन खातों का लिखित में ब्योरा मांगा और व्यक्ति ने यह उपलब्ध भी करा दिया। मंगलवार को बैंक को एक ईमेल भेजकर बताया गया था कि उसके यहां सक्रिय पांच खाते साइबर ठगी से जुड़े हैं और इनमें से एक खाता मनियार ने खोला था। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद बैंक प्राधिकारियों ने मनियार को शाखा में बुलाया और वह अगले दिन वहां पहुंचा। प्राधिकारियों ने उसे खाते से हो रही साइबर ठगी के संबंध में बताया, जिसपर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। बैंक प्रबंधक ने पुलिस को सूचित किया और मनियार को गिरफ्तार कर लिया गया।

बड़ा गिरोह होने का शक

अधिकारी के अनुसार, जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मनियार ने बैंक में 35 खाते खोले थे और पुलिस को इसका एक बड़ा गिरोह होने का शक है। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही हैं।

जो हरियाणा में हुआ वो महाराष्ट्र में नहीं होने देंगे : नाना पटोले

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान खत्म होने के बाद अब सबकी निगाहें चुनाव नतीजों पर टिकी हैं। शनिवार को यह साफ हो जाएगा कि अगले पांच साल तक महाराष्ट्र पर किसका राज रहेगा। हालांकि, इससे पहले महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों ने ही अपनी जीत का दावा किया है। इस बीच महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले का बयान भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र में एमवीए की ही सरकार बनेगी। चुनाव नतीजों को लेकर नाना पटोले ने कहा, "नतीजे जो भी आने वाले हों, जब मैंने मतदान के बाद कार्यकर्ताओं से पूछा तो साफ हो गया कि महाविकास अघाड़ी की सरकार आने वाली है। हरियाणा में जो हार हुई, वह महाराष्ट्र में न हो, इसलिए हम मतगणना के दौरान हर बूथ पर नजर रखेंगे।

और क्या बोले नाना पटोले?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मतगणना के लिए जाने वाले लोगों को जानकारी देंगे और इस बात का ध्यान रखेंगे कि कहीं कोई गलती न हो। उन्होंने कहा कि किसी को कहीं नहीं ले जाया जाएगा। सभी को मुंबई में ही रखा जाएगा और नतीजों के बाद हम सरकार बनाने का दावा करेंगे।

'देवेंद्र फडणवीस को हवा में रहने दीजिए'

इसके अलावा देवेंद्र फडणवीस के जीत के दावे पर उन्होंने कहा, "देवेंद्र फडणवीस को हवा में रहने दीजिए, हमें युवाओं और महिलाओं के वोट बढ़े हैं। लाडली बहना भी बढ़ी हुई महंगाई से परेशान है।" महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों में अगर महाविकास अघाड़ी की सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा। इस सवाल के जवाब में नाना पटोले ने कहा, "इस पर आज कोई कुछ नहीं कहेगा। अगर सरकार बनती है तो तीनों पार्टियां जरूर शामिल होंगी।"

बीजेपी पर बोला हमला

हालांकि इससे पहले उन्होंने एक बयान में कहा था कि अगर महाराष्ट्र में एमवीए की सरकार बनती है तो सीएम कांग्रेस से होगा। नाना पटोले ने बीजेपी को घेरते हुए कहा, "बीजेपी शराब और पैसे के बल पर जीतने की कोशिश कर रही है। वे हर चीज को जिहाद कहते हैं, तो यह भी नोट जिहाद और वोट जिहाद हुआ। तो उनके विनोद तावड़े और वानखेड़े नोट जिहाद और वोट जिहाद कर रहे थे।"

'बिटकॉइन घोटाला' मामला : आरोपी गौरव मेहता से CBI की लंबी पूछताछ

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के कथित 'बिटकॉइन घोटाला' मामले की जांच सीबीआई ने शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घोटाले की रकम 6600 करोड़ बताई जा रही है। इस मामले में सीबीआई ने गौरव मेहता से गुरुवार को लंबी पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, गौरव मेहता से शुक्रवार को भी पूछताछ होगी। यह पूछताछ रायपुर में हुई। बता दें कि इस मामले में दो मास्टरमाइंड्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गौरव मेहता को भेजा था समन

सीबीआई ने गौरव मेहता को इस मामले में समन भेजा था, जो इस मामले में एक अन्य आरोपी है। शुरुआत में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली, पुणे और कुछ अन्य स्थानों पर भारद्वाज बंधुओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें निवेशकों को धोखा देने का आरोप था। ईडी ने महाराष्ट्र पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज किए गए मामले के आधार पर जांच शुरू की थी। बता दें कि बुधवार को ईडी ने एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी गौरव मेहता के घर पर छापा भी मारा था। ईडी ने मेहता का बयान भी दर्ज किया था और उसके पास से कुछ लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस भी जब्त कर ली थीं।

ये दो मास्टरमाइंड

इस मामले में दो संदिग्धों- अमित भारद्वाज और अजय भारद्वाज को मास्टरमाइंड्स के रूप में नामित किया गया है।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1) **कार्य का नामः अनुसूची ए-** जलगांव में आरपीएफ पोस्ट भवन के निर्माण के संबंध में विद्युतीकरण कार्य.; **अनुसूची बी** - सावदा गुड्स शेड - माल कार्यालय, लेबर रूम, मर्चेंट रूम के साथ बुनियादी सुविधाओं और सर्कुलेटिंग एरिया के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण कार्य.
2) **अनुमानित लागत**-80,99,833/-
*3) **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि और समयः** 16/12/2024 को 15:00 बजे,
4) **वेबसाइट विवरणः https://www.ireps.gov.in**
निविदा संख्याः बीएसएल-एल-डब्ल्यू-टी-72-2024
वरिष्ठ डीईई (जनरल) बीएसएल

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है
बीएसएल-04

मध्य रेल
भुसावल डिवीजन
ई-नीलामी नोटिस

भुसावल डिवीजन, सेंट्रल रेलवे ने ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से www.ireps.gov.in पर नीचे दी गई संपत्तियों को पट्टे पर देने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की है. इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे ई-नीलामी से पहले साइट पर पंजीकरण करें और सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें. अधिक जानकारी के लिए बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे नीचे उल्लिखित ई-नीलामी से संबंधित सभी विवरण जानने के लिए www.ireps.gov.in वेबसाइट पर जाएं:- **श्रेणीः** विविध-स्थिर-सेवाएं **कैटलॉग संख्याः** BSL-MS-TWPKNW-5 **संपत्ति विवरणः** खंडवा पार्सल कार्यालय में पार्सल/सामान में बुक किए जाने वाले दो पहिया वाहनों की पैकिंग. **नीलामी तिथि और समयः** 05-12-2024 11:00:00 सुबह. **श्रेणीः** विज्ञापन **सूचीपत्र क्रमांकः** बीएसएल-आरडीएनडीजी-24-21 **संपत्ति विवरणः** रावेर, देवलाली, नांदगांव, नेपानगर और पचोरा में सार्वजनिक घोषणा प्रणाली (पीएएस) और सभी संकेत प्रणाली के संचालन की आउटसोर्सिंग.
नीलामी की तिथि और समयः 10-12-2024 11:00:00 को सुबह . विषयगत निविदा के संबंध में आगे कोई परिशिष्ट/शुद्धिपत्र, समय विस्तार, स्पष्टीकरण आदि यदि कोई हो, तो वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा. बोलीदाता को खुद को अपडेट रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहना चाहिए.
डीआरएम (सी) बीएसएल

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है
बीएसएल-03

मध्य रेल
ट्रेन प्रबंधन प्रणाली के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए मण्डल रेल प्रबंधक (सं.एवं.दु.सं.) छ.शि.म.ट. मुंबई, पहली मंज़िल पार्सेल कार्यालय भवन, प्लैटफ़ार्म क्रमांक 13 के पास, मध्य रेल, छ.शि.म.ट. मुंबई 400001, प्रतिष्ठित ठेकेदार से ऑनलाइन खुली निविदा बुलाना आमंत्रित करते हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एवम समय 16/12/2024 को 15.00 बजे होगा । **कार्य का नाम:** ''मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन में केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय में स्थापित संपूर्ण ट्रेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) (सीएसएमटी – कल्याण अनुभाग) के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) जिसमें शामिल है ऑपरेटिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर, टीएमएस एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर मॉड्यूल और फील्ड उपकरण और इसके सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर ।'' **लगभग मूल्य:** 5,42,30,643/-; **बयाना राशि जमा:** 4,21,200/-; **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय:** 16/12/2024 को 15:00 बजे। **वैधता:** 60 दिन ; **समापन अवधी:** 12 महीने ; निविदा का पूरा विवरण, शुद्धिपत्र और पूरे निविदा दस्तावेज़ भारतीय रेल के कार्यालयीन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं। निविदा का पूरा विवरण म.रे.प्र.(सं. एवं दु.सं.) के कार्यालय के सूचनाफलक (नोटिसबोर्ड) पर भी उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 (Public Procurement Policy Order 2017\ dated 15.06.2017) का अनुपालन करती है
निविदा सूचना न.
सी आर -बी बी - दु.सं. - 2024-60

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है
558

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

विचाराधीन कैदियों का संत्रास

यह तथ्य चिंताजनक है कि भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखा जा रहा है। इन कैदियों में 75 प्रतिशत उन कैदियों का है जो विचाराधीन हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री की वह घोषणा उम्मीद जगाती है जिसमें कहा गया है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस तक अपनी अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि काट चुके कैदियों के लिये न्याय सुनिश्चित करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। निस्संदेह, इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह न्याय सुनिश्चित करने के मार्ग में चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विडंबना यह है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 जैसे हालिया विधायी सुधारों के बावजूद प्रणालीगत विसंगतियां बनी हुई हैं। विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के सुप्रीम कोर्ट के रुख ने एक जटिल समस्या के निराकरण की जरूरत को बताया है। दरअसल, नौकरशाही की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई में देरी होती रही है। यही वजह है कि गरीब कैदियों के लिये वित्तीय सहायता के प्रावधान जैसी सहायक योजनाओं के बावजूद क्रियान्वयन असंगत बना हुआ है। जिसके चलते बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं। दरअसल, समस्या की जड़ आपराधिक न्याय प्रणाली में निहित रही है। जो सुधारात्मक और पुनर्वास की प्राथमिकताओं वाले न्याय की बजाय दंडात्मक उपायों को प्राथमिकता देती है। वहीं जमानत की शर्तों को उदार बनाने में न्यायिक हिचकिचाहट, पात्र कैदियों की पहचान करने में प्रणालीगत देरी के चलते इस मुद्दे को जटिलता में उलझा देती है। वहीं दूसरी ओर कानूनी सेवा प्राधिकरणों के बजाय जिला कलेक्टरों पर इस योजना की निर्भरता ने इस प्राथमिकता को गौण बना दिया है। दरअसल, जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने के लिये देश को प्रतीकात्मक समय सीमा से आगे जाने की जरूरत है। न्याय सुनिश्चित करने के लिये हमें समीक्षा समितियों के माध्यम से पहचान और रिहाई की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना होगा, वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी इस पहल में शामिल करना आवश्यक है। यद्यपि प्रौद्योगिकी एकीकरण और सुधारों के गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन उम्मीद जगाते हैं, लेकिन क्रियान्वयन में तेजी लाने की जरूरत है। निस्संदेह, प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने के लिये न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना चाहिये। हमें याद रखना जरूरी है कि न्याय मिलने में देरी का होना न केवल कैदियों को न्याय से वंचित करना है बल्कि यह संविधान में निहित व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी अतिक्रमण है। निस्संदेह, विचाराधीन कैदियों की दशा में सुधार करना मानवीय गरिमा के प्रति देश की प्रतिबद्धता की परीक्षा भी है। ऐसे में सलाखों के पीछे कैद करीब पांच लाख कैदियों की आवाज को अनसुना नहीं किया जाना चाहिए। यह तार्किक व ठोस कार्रवाई करने का वक्त भी है। तभी विचाराधीन कैदियों को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिल सकेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलों में जो जरूरत से ज्यादा कैदी भरे हुए हैं उनमें अधिकांश गरीब व वंचित तबके के लोग हैं। उनमें ऐसे गरीब लोगों की संख्या अधिक है जिनकी जमानत लेने वाला भी कोई नहीं है। नीति नियंताओं को याद रखना चाहिए कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार होता है न कि सिर्फ दंडित करना। दुर्दांत व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें तो विषम हालात या आवेश में अपराध कर बैठे कैदियों की सोच बदलकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना जेलों का पहला मकसद होना चाहिए। विगत में सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि विचाराधीन कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। ऐसे में खचाखच भरी जेलों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये विचाराधीन कैदियों को समय रहते न्याय दिलाने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय होना चाहिए। यह नजरिया न केवल प्रगतिशील है बल्कि न्यायपूर्ण भी है। ऐसे में गृह मंत्रालय की न्याय दिलाने की पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

क्रिकेट राजनीति की पिच पर पाक को फिर शिकस्त

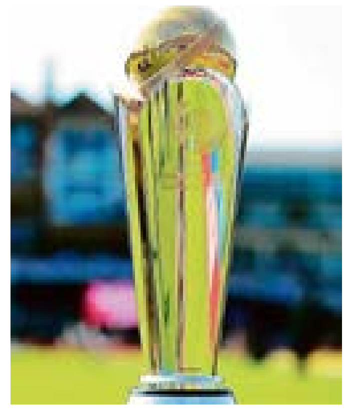

हरीश मलिक

क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) राजनीति की पिच पर हार सुनिश्चित होने के बावजूद खेल खेलने में लगा है। पाकिस्तान के हुक्मरानों की शह पर वह जो चालें चल रहा है, उसमें खुद ही फंसकर रह गया है। अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी क्रिकेट में सियासत की बिसात बार-बार बिछाने में लगा है। यह अलग बात है कि इस चौसर पर वह खुद चारों खाने चित है। पहले दुनियाभर का ध्यान खींचने के लिए पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का टूर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के शहरों में कराने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह इस जिद पर अड़ा था कि भारत को पाकिस्तान आकर ही इस ट्रॉफी में खेलना होगा। अब दोनों ही मोर्चों पर भारत, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और ब्रॉडकास्टर्स के तिहरे दबाव के बाद पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान जाकर खेलने से पहले ही साफ इनकार कर दिया है। सुरक्षा कारणों से पहले भी कई देश पाकिस्तान का दौरा रद्द कर चुके हैं। दरअसल, 2009 में श्रीलंकाई टीम पाकिस्तान के दौरे पर थी। सीरीज का पहला मैच 21 से 25 फरवरी तक कराची में खेला गया था, जो ड्रा रहा। दूसरा मैच लाहौर में 1 मार्च से 5 मार्च तक खेला जाना था, लेकिन इसी बीच 3 मार्च को श्रीलंकाई टीम पर आतंकी हमला हो गया। इसके बाद दुनियाभर की टीमों ने खेलने के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 2021 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर आकर बगैर कोई मैच खेले, वापस लौट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान दौरे पर अपनी महिला और पुरुष टीमों को भेजने का फैसला रद्द कर दिया। भारतीय क्रिकेट टीम तो पिछली बार 2008 में एमएस धोनी की अगुवाई में पाकिस्तान गई थी। इसी साल नवंबर में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया था। तब से दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी और अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में ही भिड़ती हैं। अब काफी जद्दोजहद और 29 साल के बाद पाकिस्तान को किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने आईसीसी से अपने मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत किसी दूसरे देश में कराने का आग्रह किया था। लेकिन पीसीबी लगातार हाइब्रिड मॉडल अपनाने से मना करता रहा है। इस पर आईसीसी ने साफ कहा कि पाक की जिद के चलते चैंपियंस ट्राफी को ही रद्द किया जा सकता है। क्योंकि भारत के बगैर क्रिकेट के किसी वैश्विक टूर्नामेंट की कल्पना ही नहीं की जा सकती। भारत और आईसीसी के अलावा मैच के ब्रॉडकास्टर्स ने भी पाक पर दबाव बनाया है कि उसे इस बात को बिल्कुल इश्यू नहीं बनाना चाहिए कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आ रही है। टूर्नामेंट रद्द होने का सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान पाक को ही उठाना पड़ेगा। दरअसल, ब्रॉडकास्टर्स का आईसीसी के साथ 2024 से 2027 तक के सभी टूर्नामेंटों के लिए 3 बिलियन डॉलर (करीब 2534 करोड़ रुपये) का करार है। यदि चैंपियंस ट्रॉफी स्थगित होती है तो ब्रॉडकास्टर्स को करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। बता दें कि 2023 वनडे विश्व कप से ब्रॉडकास्टर्स को 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई थी। ब्रॉडकास्टर्स ने आईसीसी पर दबाव बनाया कि टूर्नामेंट का आयोजन किसी भी हाल में होना चाहिए, फिर भारतीय टीम चाहे किसी और देश में खेले। आईसीसी ने पीसीबी के अधिकारियों को साफ तौर पर कहा कि उसे अड़ियल रवैये के बजाय इस टूर्नामेंट से होने वाले मुनाफे के बारे में सोचना चाहिए। गौरतलब है कि 2023 वनडे विश्व कप में बीसीसीआई को करीब 11,637 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। इसी प्रकार 2022 टी-20 विश्व कप में 358 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ था। अभी कुछ समय पहले तक पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी सोशल मीडिया पर हाइब्रिड मॉडल नहीं अपनाने और टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की मांग कर रहे थे, लेकिन अब आर्थिक नुकसान के आंकड़े देखते हुए उनके भी सुर बदलने लगे हैं। आखिरकार ना-नुकर कर रहे पाकिस्तान को घुटने टेकने ही पड़े हैं। अब इस बात पर करीब-करीब सहमति बन गई है कि भारत के मुकाबले हाइब्रिड मॉडल पर यूएई में होंगे। इसके अलावा सेमीफाइनल और फाइनल वहीं कराए जाएंगे, क्योंकि यदि भारत यहां तक का सफर तय कर लेता है तो फिर विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। हाइब्रिड मॉडल पर अड़ंगे के अलावा पाकिस्तान ने खेल में राजनीति करते हुए विवादित पीओके का मुद्दा गरमा दिया था। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का 24 नवंबर तक का टूर घोषित किया। पीसीबी ने एक पोस्ट में कहा, 'तैयार हो जाओ, पाकिस्तान। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी-2025 का टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा, जिसमें स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे दर्शनीय पर्यटन स्थलों का भी दौरा किया जाएगा।' पीसीबी ने जानबूझकर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के इन चारों शहरों को टूर में शामिल किया। भारत का कहना रहा है कि यह हमारे देश का हिस्सा हैं, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा जमाया हुआ है। ऐसे में विवादित क्षेत्र में जान-बूझकर चैंपियंस ट्रॉफी टूर ले जाने को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता था। इसलिए भारत ने इस पर सख्त आपत्ति दर्ज की। इसके साथ ही बीसीसीआई ने तत्काल आईसीसी को दखल देकर पीओके में टूर पर रोक लगाने की मांग की। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के पीओके के टूर पर न सिर्फ रोक लगा दी है, बल्कि इसे रि-शेड्यूल करने के लिए भी कहा है। बहरहाल, पाकिस्तान की भारत-विरोधी सारी नापाक कोशिशों पर पानी फिर गया है।

जीवन मंत्र

ओशो

सरल ध्यान की विधियां

अपनी दिनचर्या की हरेक गतिविधि का आनंद उठाएं। क्षण-क्षण जिएं। कोशिश करें कि जो कुछ भी आप कर रहे हैं, उसे जितनी समग्रता से कर सकते हैं, करें। उसे प्रेम से करें और उसका आनंद लें।

जागरूकता क्या है? इसे बिना जागरूकता के प्रयोग किए ठीक-ठीक नहीं जाना जा सकता। आप थोडे.से प्रयोग करेंगे, तो जरूर आप जान सकेंगे। छोटे-छोटे प्रयोग हैं, कोई हिमालय पर जाना नहीं है। आप जब रास्ते पर चलते हैं, तो होशपूर्वक चलें। इस बात का ध्यान रखकर चलें कि मैं चल रहा हूं। इस बात का बोध रखकर चलें कि मुझे चलने का ख्याल है, या मैं बस चले जा रहा हूं और मुझे पता ही नहीं है कि मैं चल रहा हूं। इस बात का बोध होना चाहिए कि मैं चल रहा हूं, मेरे पैर उठ रहे हैं और मैं मार्ग पर

आगे बढ़ रहा हूं- एक भीतरी बोध, एक स्मरण, एक ख्याल, इसकी एक 'रिमेंबरिंग' होनी चाहिए। आप अपने हर कदम को देखते हुए चल सकते हो। इससे आपको वे सभी लाभ तो मिलेंगे ही, जो चलने के व्यायाम के रूप में मिल सकता है, साथ ही इससे आपको एक बड़े सरल ध्यान का लाभ भी मिलेगा।

इसी तरह, अपने स्नान को भी आप एक प्रार्थना बन जाने दें। आप रोज स्नान करते हैं, लेकिन आप व्यर्थ कर लेते हैं। मैं जैसा कहता हूं, ऐसा स्नान करके देखें। फव्वारे के नीचे खड़े हो जाएं, सारे विचार छोड़ दें, दुनिया को पूरी तरह भूल जाएं। जो उपासना स्थलों में नहीं हो सकता, वह आपके स्नानागार में हो सकता है। लेकिन सिर्फ पानी के स्पर्श को, जो आपके सिर पर गिर रहा है और शरीर पर जिसकी धाराएं बही जा रही हैं, उसके सिर्फ स्पर्श का पीछा करें। पूरे शरीर से उसके स्पर्श को पिएं। रोम-रोम से पानी की ताजगी को अपने भीतर जाने दें।

आप पचहत्तर प्रतिशत पानी हैं, यानी आपका शरीर। तो जब पानी आपको बाहर से स्पर्श करता है, अगर आपका पूरा शरीर संवेदनशील हो, तो भीतर का पानी भी आंदोलित होने लगेगा और तब आपका स्नान एक प्रार्थनापूर्ण कृत्य हो जाएगा।

अपनी दिनचर्या की हरेक गतिविधि का आनंद उठाएं। क्षण-क्षण जिएं। कोशिश करें कि जो कुछ भी आप कर रहे हैं, उसे जितनी समग्रता से कर सकते हैं, करें। उसे प्रेम से करें और उसका आनंद लें। हो सकता है कि यह मूर्खतापूर्ण लगे। यदि आप चाय पी रहे हैं, तो उसमें इतना आनंद लेना मूर्खतापूर्ण लगता है कि साधारण-सी तो चाय है।

लेकिन मत भूलें, साधारण-सी चाय भी असाधारण रूप से सौंदर्यपूर्ण हो सकती है। यदि हम उसका आनंद ले सके, तो वह एक गहन अनुभूति बन सकती है। गहन समादर से उसका आनंद लें। उसे एक ध्यान बनाएं। चाय बनाना... केतली की आवाज सुनना, फिर प्याली में चाय उडेलना... उसकी सुगंध लेना; चाय का स्वाद लेना और ताजगी अनुभव करना। इस तरह चाय का आनंद लेंगे, तो धन्यवाद से भर जाएंगे!

जीवन ऊर्जा

चार्ल्स डी गॉल: जन्म 22 नवंबर 1890

जन्म

मौन शक्ति का अंतिम हथियार है

चार्ल्स डी गॉल फ्रांस के एक प्रमुख सैन्य नेता और राजनेता थे, जिनका जन्म 22 नवंबर 1890 को हुआ और निधन 9 नवंबर 1970 को हुआ। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांस का नेतृत्व किया और फ्रांसीसी गणराज्य के संस्थापक राष्ट्रपति के रूप में आधुनिक फ्रांस की नींव रखी।

महानता एक ऐसा रास्ता है जो अज्ञात की ओर ले जाता है। मौन शक्ति का अंतिम हथियार है। कब्रिस्तान ऐसे लोगों से भरे पड़े हैं जो खुद को अपरिहार्य समझते थे।देशभक्ति तब होती है जब अपने लोगों के प्रति प्रेम पहले आता है; राष्ट्रवाद तब होता है जब दूसरों के प्रति घृणा पहले आती है। एक सच्चा नेता हमेशा अपने पास आश्चर्य का एक तत्व रखता है, जो दूसरों की समझ से परे होता है और जनता को उत्साहित और रोमांचित रखता है। फ्रांस महानता के बिना फ्रांस नहीं हो सकता। मौन से अधिकार सबसे अधिक मजबूत होता है। मालिक बनने के लिए नेता को सेवक बनने का दिखावा करना पड़ता है।संकट का सामना करते हुए, चरित्रवान व्यक्ति खुद पर भरोसा करता है। इतिहास नियतिवाद नहीं सिखाता। ऐसे क्षण होते हैं जब स्वतंत्र पुरुषों की इच्छाशक्ति नियति को तोड़कर नए रास्ते

खोलती है। कोई खराब तरीका होना बेहतर है, बजाय इसके कि कोई तरीका न हो। बहस कई लोगों का काम है। कार्रवाई केवल एक का। जब सरकार गलत हो, तो सही होना खतरनाक है। राजनीति बहुत गंभीर विषय है, इसे केवल राजनेताओं पर नहीं छोड़ा जा सकता। तलवार दुनिया का केंद्र है और उसकी शक्ति है। एक सच्चा राजनेता वही है जो अपने सिद्धांतों के लिए जोखिम उठाने को तैयार हो। राजनयिक केवल अच्छे मौसम में ही उपयोगी होते हैं। जैसे ही बारिश होती है, वे हर बूंद में डूब जाते हैं। हम यहां छोटे-छोटे योजनाएँ बनाने के लिए नहीं हैं। हम यहां बड़े निर्णय लेने के लिए हैं। दूसरों की प्रसिद्धि की घोषणा महत्वाकांक्षा को सबसे अधिक प्रेरित करती है। जितना अधिक मैं घूमता हूं, उतना ही मुझे यकीन होता है कि पृथ्वी मूर्खों से भरी हुई है। एक व्यक्ति की महानता को इस बात से मापा जाता है कि वह छोटे व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार करता है। प्रश्न को सुलझाए बिना बहस करना बेहतर है, बजाय इसके कि बिना बहस के प्रश्न को सुलझा दिया जाए।जो व्यक्ति चमत्कारों पर विश्वास नहीं करता, वह हमेशा तथ्यों के रहमोकरम पर रहेगा। एक राष्ट्र की इच्छाशक्ति उसके नेताओं की इच्छाओं से बड़ी होती है।

सक्सेस मंत्र

अपनी कीमत पहचानो

हर इंसान के अंदर कोई ना कोई काबीलियत होती है। कुछ लोगों को अपनी प्रतिभा के बारे में जानकारी होती है, जबकि कुछ लोगों को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। मगर जो लोग खुद पर भरोसा करते हुए अपनी काबीलियत के सहारे आगे बढ़ते हैं, उन्हें सफलता जरूर मिलती है। यही बात एक टीचर ने छात्रों को काफी रोचक तरीके से समझाई। एक दिन टीचर जब क्लास में पहुंचे, तो उनके हाथ में 100 रुपये का नोट पकड़ रखा था। बच्चों को कुछ नया सिखाने के लिए टीचर ने जेब से 100 रुपये का एक नोट निकाला। अब बच्चों की तरफ वह नोट दिखाकर कहा, बच्चों, क्या आप लोग बता सकते हैं कि यह कितने रुपये का नोट है? बच्चों ने एक साथ कहा, '100 रुपये का'! टीचर ने फिर पूछा, इस नोट को कौन-कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने हाथ खड़ा कर दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को मुट्ठी में बंद करके बुरी तरह मसला, जिससे वह नोट बुरी तरह कुचल सा गया। अब टीचर ने फिर से बच्चों को नोट दिखाकर कहा कि अब यह नोट कुचल सा गया है, अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर हाथ उठा दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को जमीन पर फेंका और अपने जूते से बुरी तरह कुचल कर फिर से बच्चों को दिखाया और पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर से हाथ उठा दिया। अब टीचर ने कहा कि बच्चों आज तुमने जिंदगी का बहुत बड़ा सबक सीखा है। ये 100 रुपये का नोट था, जब मैंने इसे हाथ से कुचला तो ये नोट कुचल गया। मगर इसकी कीमत 100 रुपये ही रही, इसके बाद जब मैंने इसे जूते से मसला तो ये नोट गन्दा हो गया। तब भी इसकी कीमत 100 रुपये ही रही। ठीक वैसे ही इंसान की जो कीमत है और इंसान की जो काबिलियत है वो हमेशा वही रहती है। आपके ऊपर चाहे कितनी भी मुश्किलें आ जाएं, चाहें जितनी मुसीबतों की धूल आपके ऊपर गिरे लेकिन आपको अपनी कीमत नहीं गंवानी है। आप कल भी बेहतर थे और आज भी बेहतर हैं।

शख्सियत

मीराबेन

महात्मा गांधी की अनन्य अनुयायी

मीराबेन, जिनका असली नाम मेडेलीन स्लेड था, महात्मा गांधी की एक समर्पित शिष्या और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्वपूर्ण हस्ती थीं। उनका जन्म 22 नवंबर 1892 को इंग्लैंड में हुआ। वे ब्रिटिश एडमिरल सर एडमंड स्लेड की पुत्री थीं। बचपन से ही मीराबेन का रुझान संगीत और प्रकृति की ओर था।

मीराबेन ने महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर भारत आने का निश्चय किया। 1925 में भारत आकर वे गांधीजी के आश्रम में रहने लगीं। उन्होंने गांधीजी के आदर्शों को आत्मसात कर अपना जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और समाज सुधार के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने भारतीय संस्कृति, सादगी और स्वदेशी वस्त्रों को अपनाया और खादी पहनना शुरू किया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मीराबेन ने महात्मा गांधी के साथ कई सत्याग्रहों और आंदोलनों में भाग लिया। 1930 के दांडी मार्च और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई और जेल भी गईं। मीराबेन ने पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास के लिए भी कार्य किया। वे हिमालय क्षेत्र में जाकर किसानों को खेती और जल संरक्षण के लिए प्रेरित करती रहीं। उन्होंने ₹सच्ची खुशी₹ और ₹गांधीजी का जीवन₹ जैसे लेखों के माध्यम से गांधीजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। मीराबेन ने अपना पूरा जीवन भारत के लोगों और गांधीजी के आदर्शों के प्रति समर्पित कर दिया। आजादी के बाद वे उत्तराखंड चली गईं और पर्यावरण संरक्षण पर काम करने लगीं। 1982 में इंग्लैंड में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और कार्य आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। मीराबेन का जीवन त्याग, सादगी और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने दिखाया कि सच्चा अनुयायी वह है, जो अपने गुरु के विचारों को न केवल समझे, बल्कि अपने जीवन में उतारे और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए कार्य करे।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धर्म की पहचान गुणों से होती है

धर्म की पहचान गुणों से होती है। महासागर के समान विशाल, स्पष्ट, और गंभीर जीवन प्रणाली को धर्म कहते हैं।

समुद्र क्रमशः नीचा और गहरा होता गया है, उसी प्रकार धार्मिक व्यक्ति क्रमशः विनयशील और आत्मसत्यता की गहराई में में उतरता चला जाता है। समुद्र का स्वभाव है- स्थिरता और अपनी मर्यादा में बने रहना, धर्म भी मनुष्य को स्थिर और मानवीय मर्यादों का निष्ठापूर्वक परिपालन करना सिखाता है।

समुद्र में मृतक शरीर नहीं रहने पाता, उसी तरह जीवन के सत्य के प्रति जिनकी आस्था नहीं रहीं, जो जड़ हो गए हैं, धर्म उनको अपने में नहीं मिलाता, पर अनेक नदी-नालें समुद्र में आकर गिरते हैं,

उसने किसी को मना नहीं किया। धर्म भी वर्ण-भेद, जाति-भेद और देशकाल का भेद किये बिना प्रत्येक आत्मपरायण को अपना लेता है। समुद्र अपना रस नहीं बदलता,उसी प्रकार धर्म भी अपने सिध्दांतों पर दृढ़पूर्वक आरूढ़ रहने की शिक्षा देता है। समुद्र में अनेक तरह के रत्न, मूँगे, मोती भरे पड़े हैं, तो, सेवार, खर, पतवार भी है। उसी प्रकार धर्म गुणों का आगार होकर भी जो तुच्छ और अवरोधक हैं, उन्हें भी प्यार करता है।

महासमुद्र को देखकर जो अपने जीवन को वैसा ही विस्तृत और महान बनाए, वही सच्चा धर्मनिष्ठ है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

अधिकार

ज्योति यादव

तुम पर मेरा क्या अधिकार है
कनु ?
मेरी जगह तुम्हारे चित्त में कहीं
नहीं है
तुम्हारे मन में इतना स्थान बाकि
भी नहीं
कि मेरा एक मुट्ठी प्यार समेट सके
और तुम्हें देने के लिए भी क्या है
मेरे पास
किसी का दिया कोई प्रेमपत्र नहीं,
जिसे पढ़कर तुम्हें जला सकूँ
न मेरी बाट जोहता कोई पुराना
आशिक़
कि जिसका नाम लेकर चिढाऊँ
तुम्हें
तुम मेरा प्यार नहीं _और नहीं हो
मित्र भी
तो तुम पर मेरा क्या अधिकार है
कनु?
बारिश की आवाज़ से जागी हुई
आंखें,
कमरे में लगी तुम्हारी तस्वीर देख
मुस्कुरा क्यों उठती हैं _जबकि मैंने
तुम्हारी प्रेमिका नहीं हूँ ?
और दिन-ब-दिन के जीवन
यापन में
मैं ये क्यों सोचती हूँ कि
अगर तुम होते मेरी जगह तो क्या
करते
तुम मेरे गुरु भी तो नहीं
फिर तुम पर मेरा क्या अधिकार
है कनु ?
हम मिले भी नहीं कभी चाय पर
मैं नहीं जानती कि लोकतंत्र के बारे
में तुम्हारी क्या राय है
कि सोलह हज़ार रानियों के होते
हुए भी
तुमने मुहब्बत के लिए राधा को
क्यों चुना
मेरे पास कितने सवाल हैं तुम्हारे
लिए
और बहुत सारा सब्र, तुम्हारे जवाबों
के लिए
मगर मुझे तुम्हारा इंतज़ार क्यों
करना चाहिए
कहो न_तुम पर मेरा क्या
अधिकार है कनु ?
मुझे ये दुनिया जब समझ नहीं
आती
तो मैं तुम पर लौटती हूँ
तुम्हारी मामूली सी बातों में भी
कोई गहरा सा दर्शन ढूंढने की
कोशिश करती
मैं लोगों से लड़ जाती हूँ
जबकि मुझे ये इल्म है_कि तुम
शायद कभी थे ही नहीं
इस दुनिया में
तुम्हारे होने और नहीं होने की
दुविधा के बीच
जो मैं हर बार तुम्हारे होने का
ख्याल चुनती हूँ
तो क्या मैं हर बार तुम्हें जन्म
देती हूँ?
मगर मैं तुम्हारी माँ नहीं हूँ
तो तुम पर मेरा क्या अधिकार है
कनु ??
मेरे साथ कॉफ़ी पीने चलोगे?
या चलोगे कुछ सड़कों पर साथ?
मेरे कितने मामूली ख्वाब हैं तुमसे
जुड़े हुए
जिसके लिए ये लोग मुझे मार तक
सकते हैं
और मैं तुम्हारी मीरा भी नहीं
कि तुम इन सबसे मुझे बचाने, इस
ज़मीन पर आओगे दोबारा
तो फिर तुम मेरा क्या अधिकार
है कनु?
तुम मेरे कौन हो??

कहानी

गत्ती भगत

भैरव प्रसाद गुप्त

उस दिन जिधर सुनो, गाँव में छोटे-बड़े सभी के मुँह से अफ़सोस और ताज्जुब के साथ एक ही बात सुनाई दे रही थी, 'गत्ती भगत की कण्ठी टूट गयी!' कण्ठी पहनने और तोडने, दोनों की शोहरत गाँवों में एक ही तरह फैलती है। हाँ, पहनने की बात सुनकर जहाँ लोगों को ख़ुशी होती है, वहाँ तोडने की बात सुनकर अफ़सोस। लेकिन ताज्जुब का भाव दोनों में एक-सा ही रहता है। कोई लुच्चा-लफंगा, बदमाश-शोहदा या माँस-मछली खाने और दारू पीनेवाला अचानक एक दिन गले में तुलसी कण्ठी पहनकर भलमानस और भगत बन जाय, तो किसे ख़ुशी और ताज्जुब न हो? और वही भलमानस और भगत दो-चार महीने या साल भगत की जिन्दगी बिताकर, अपनी सचाई, भलमनसाहत, पवित्रता और पूजा-पाठ की धाक लोगों के मन पर जमाकर एक दिन अचानक कण्ठी तोडक़र अपनी पुरानी जिन्दगी के तौर-तरीकों को वापस लौट जाय, तो किसे अफ़सोस और ताज्जुब न हो?

और गत्ती भगत के मामले में तो अफ़सोस और ताज्जुब का और भी कारण था। गत्ती कभी भी चोर या लफंगा न रहा था और न कभी उसने दारू को ही मुँह लगाया था। उसकी जिन्दगी सभी साधारण किसानों की तरह थी। हाँ, वह माँस-मछली ज़रूर खाता था, लेकिन यह तो लोगों के देखने में कोई वैसा अपराध न था। कुछ ब्राह्मणों और आर्यसमाजियों को छोडक़र गाँवों में कौन माँस-मछली नहीं खाता? फिर उसने कण्ठी भी अपने मन से, अपने बुरे आचरणों, असामाजिक कार्यों को छोडने की घोषणा करके नहीं पहनी थी। उसकी कण्ठी की तो एक अलग ही दिलचस्प कहानी थी।

कहा जाता है कि एक रात सोता पडने पर अचानक एक साधु ने गत्ती का दरवाज़ा खटखटाया। गत्ती ने दरवाज़ा खोलकर, सामने साधु को खड़ा देखकर नमन किया।

साधु ने कहा, "बच्चा, ठाकुरजी आज रात तेरे दरवाज़े पर ही काटना चाहते हैं। देगा आसरा?"

गत्ती ने हाथ माथे से लगाकर, सर झुकाकर कहा, "मेरा बड़ा भाग, बाबा! ख़ुशी से मिरगछाला डालें।" और उसने दालान के कोने को अँगोछे से झाड़-पोंछ दिया।

साधु ने मृगछाला डाल चिमटा गाड़ दिया। फिर पाँव पसारकर लेटने को हुआ, तो गत्ती बोला, "बाबा, परसाद पा चुके हैं?"

साधु मुस्कराया। फिर बोला, "बड़ी दूर से ठाकुरजी आ रहे हैं। कहीं ... कहीं टिकने का इरादा नहीं था। इतनी रात गये ठाकुरजी तुझे क्या कष्ट दें?"

"इसमें कस्ट की का बात बाबा? जो साग-सातू ... " बात मुँह में ही लिये गत्ती अन्दर जाने लगा, तो साधु बोला, "ठाकुरजी कुछ बनाएँगे नहीं। बहुत थक गये हैं। चना-चबेना कुछ हो ... "

गत्ती ने ठिठककर, चिन्तित होकर कुछ सोचा। फिर अन्दर जाकर मेहरी से पूछा, तो मालूम हुआ कि आज ही का भूना सत्तू के लिए मक्का रखा है। बेर हो जाने से वह पीस न सकी थी।

एक साफ़ डाली में भूना मक्का और एक पिड़िया बढ़िया गुड़ और चमचमाते पीतल के लोटे में जल लाकर गत्ती ने साधु के सामने रख दिया।

साधु खा-पीकर तृप्त हो गया। सोंधा-सोंधा मक्का उसे खूब भाया। उसकी सुगन्ध तो जैसे अब भी दालान में मँडरा रही थी।

आराम से लेटकर, साधु ने हाथों की अँगुलियाँ उलझाये, सर झुकाये खड़े गत्ती की ओर देखकर कहा, "बच्चा, ठाकुरजी की आत्मा तृप्त हो गयी। ठाकुरजी तुझसे बहुत प्रसन्न हुए। तू ठाकुरजी से कुछ माँग ले।"

संकोच में गत्ती के होंठ ज़रा मुस्कराये, बोल न फूटा।

साधु ही बोला, "अच्छा देख, ठाकुरजी तुझे एक दवा बता देते हैं। इससे तुझे बड़ा यश मिलेगा। तेरा नाम दूर-दूर तक फैल जायगा।"

गत्ती मुँह बाए बैठ गया। साधु बोलता गया, "उकवत का रोग होता है न? इसकी कोई दवा दुनिया में नहीं हैं। बड़े-बड़े डाक्टर हकीम भी इस रोग के सामने हार मान जाते हैं। तुझे उसी की दवा ठाकुरजी बताते हैं। ध्यान से सुन!"

दो क्षण चुप रहकर साधु बोला, "नाई को बुलाकर उकवत के रोगी के चाँद पर थोड़ा बाल छिलवाकर, उस्तरे की नोक से दस-पाँच टोप मारने को कहना। ऊपर जब कुछ खून आ जाय, तो उस पर तू अपने दायें हाथ के अँगूठे से यह दवा बैठा देना।" कहकर अपने बटुए से निकालकर एक पुड़िया सफ़ेद साधु ने गत्ती की ओर बढ़ा दिया।

गत्ती ने पुड़िया लेकर, माथे से लगायी और पलकें झपकाकर साधु की ओर देखने लगा।

साधु ने आगे कहा, "दवा लगाने के बाद तू रोगी को हिदायत देना कि इक्कीस दिन तक वह सर पर पानी न डाले, कन्धे से ही नहाये, उकवत के घाव की जगह को रोज ठण्डे पानी से धोये, उस पर कोई दवा न लगाये। इक्कीस दिन के बाद घाव सूख जाने पर एक ब्राह्मण या साधु को भोजन करा दे। हाँ, तू उससे कुछ न लेगा, न उसे कुछ देगा। अपने यहाँ उसे न ठहराएगा, न कुछ बैठने को देगा और न एक लोटा पानी पीने को। नाई को वह जो चाहे दे। एक बात का और ध्यान रखना। इतवार और मंगल को ही तू यह दवा लगाना। और किसी दिन नहीं। समझा न?"

"जी, बाबा," गत्ती ने ताज्जुब और ख़ुशी से आँखें झपकाकर कहा, "बाक़ी जब यह पुड़िया खतम हो जाय तब?"

साधु ज़ोर से हँसकर बोला, "सबर रख, बच्चा! ठाकुरजी तुझे इसका भेद भी बता देते हैं। बहुत मामूली चीज है। चिलम तू पीता है न? उसी की सात हिस्सा खोंठी और एक हिस्सा नमक मिलाकर, पीसकर पुड़िया में रख लेना। एक बात का ख़याल रखना। माँस, मछली, ताड़ी-दारू न खाना-पीना, झूठ न बोलना, अपना चाल-चलन ठीक रखना। यह कण्ठी अपने गले में डाल ले।" कहकर साधु ने उसे एक कण्ठी अपने बटुए से निकालकर दी। और फिर बोला, "और देख, जब तू मरने लगना, तो यह भेद अपनी औरत या बेटे-बेटी में से किसी एक को बता देना। तेरे घर में यह सदा चलता रहेगा। अच्छा, अब तू जा, ठाकुरजी आराम करेंगे।"

दूसरे दिन सुबह, जब गत्ती उठा, तो साधु जा चुका था। गत्ती के गले में कण्ठी देखकर, लोगों ने पूछा-ताँछा, तो गत्ती ने रात की कथा सब को खुश-खुश सुना दी। मुँह-मुँह से बात फैली और देश के कोने-कोने में छा गयी। कोई ऐसा इतवार और मंगल नहीं, जब गत्ती के दरवाज़े पर उकवत के रोगियों की भीड़ न होती। दूर-दूर से, कलकत्ता, बम्बई और दिल्ली तक के उकवत के अमीर-ग़रीब रोगी उस मामूली किसान, गत्ती के दरवाज़े दवा लगवाने आने लगे। टीसन से पन्द्रह मील दूर, अनजाना छोटा-सा गाँव, न कोई सर न सवारी, फिर भी लोग पूछते-आँछते पहुँच जाते। लडक़े, जवान, बूढ़े, पुराने रोगी और नये, जिसे जहाँ से, जैसे गत्ती की खबर मिलती, भागा-भागा आ पहुँचता। और कमाल यह कि सब अच्छे हो जाते। और गत्ती कोइरी अब गत्ती भगत बन गया। उसके भोले-भाले, धर्म-भीरु दिल और दिमाग़ पर साधु की बातों और दवा के कमाल का कुछ ऐसा असर पड़ा कि उसकी जिन्दगी ही बदल गयी। वह बड़े नियम से स्नान-पूजा करने लगा, माँस-मछली छोड़ दिया और ऐसा पवित्र आचरण करने लगा, कि लोगों को आश्चर्य होता। सूरज पूरब के बजाय पश्चिम में उग जाय, यह सम्भव, लेकिन गत्ती भगत के मुँह से कोई झूठ बात निकल जाय, उससे कभी कोई अन्याय हो जाय, किसी मौक़े पर वह क्रोध-मोह-लोभ दरशाये, यह असम्भव! कई बार ऐसा हुआ कि कोई सेठ-साहूकार या कोई ज़मींदार-ताल्लुक़ेदार या कोई हाकिम-अफ़सर दवा लगवाने आया और खुश होकर या अपना बड़प्पन दिखाने के लिए या इनाम के बतौर उस लँगोटी बाँधे किसान को कुछ देना चाहा या उससे कुछ माँगने को कहा, तो गत्ती भगत ने उसे दुत्कार दिया, जैसे कोई क्या कुत्ते को दुतकारेगा।

और गत्ती भगत का मान गाँव में सबसे ऊँचा हो गया। क्या छोटा, क्या बड़ा, सब उसकी इज़्ज़त करते, सब उसकी बात की क़दर करते। कहीं कोई झगड़ा हो, पर-पंचायत हो, गत्ती भगत बुलाया जाता, और जो भी इंसाफ़ वह कर देता, वह सर झुकाकर मान लेते। गत्ती भगत दूर-दूर तक अपनी ईमानदारी के लिए मशहूर हो गया।

देखते-देखते पूरे पचीस साल गुज़र गये। जवान गत्ती भगत बूढ़ा हो गया; लेकिन कोई बात है कि कभी उसका पन टूटा हो, कभी उसके ईमान में कोई फ़र्क पड़ा हो। और उसी गत्ती भगत की उस दिन कण्ठी टूट गयी, यह क्या कोई मामूली अफ़सोस और ताज्जुब की बात थी? जिसने सुना ताज्जुब से जीभ दबायी, जिसे मालूम हुआ, च-च किया। लेकिन गत्ती भगत ... बात यों हुई।

उन्नीस सौ पचास का ज़माना था। ज़मींदार और किसानों के बीच गाँव में तनातनी चल रही थी। सुनने में आ रहा था कि ज़मींदारी जल्दी ही टूटने वाली है, और जो ज़मीन जिसकी जोत में है, उस पर उसी का अधिकार हो जाएगा। ज़मींदार की अपनी जोत में कोई ज़मीन न थी। उसके सारे खेत किसान सालों से सिकमी पर जोत रहे थे। जब ज़मींदार ने ज़मींदारी टूटने की अफ़वाह सुनी, तो उसने एक फ़ारम खोलने की घोषणा की और यह बात फैलायी कि जो यों न खेत छोड़ेगा, उसका खेत पुलीस-द्वारा बेदख़ल करके फ़ारम में मिला दिया जाएगा। ऐसा कानून बना है कि फ़ारम के लिए सरकार सब सहूलियतें देगी और कानून के ज़ोर से जितनी ज़मीन की ज़रूरत फ़ारम को होगी, दिलाई जाएगी। पहले हल्ले में उसने कुछ खेत निकलवा भी लिये। लेकिन जब किसानों को होश आया और उन्होंने देखा कि इस तरह तो सब-के-सब एक दिन बेदख़ल कर दिये जाएँगे, तो उन्होंने अपनी पंचायत की। जीवन-मरन का सवाल था, पुश्तों से जोत में चले आये खेतों का वास्ता था, निकल गये, तो किस सहारे जिन्दगी काटेंगे? बहुत कोशिश की गयी कि गत्ती भगत पंचायत में आये और किसानों को सही सलाह दे, लेकिन वह नहीं आया। कानून को वह नहीं जानता, बिना समझे-बूझे वह कैसे कुछ कह सकता। फिर भी किसानों की पंचायत हुई। ख़बर देकर रामाधार को बुलाया गया। रामाधार उस जवार का किसानों का कम्युनिस्ट नेता था। उसकी गिरफ़्तारी कर लेना कोई ठट्ठा न था। किसान उसे वैसे ही छिपाये रहते, जैसे मुर्गी अपना अण्डा।

रामाधार के समझाने-बुझाने पर सबने मिलकर तै किया कि चाहे जो हो, वे अपना खेत न छोड़ेंगे। सब मिलकर ज़मींदार का मुक़ाबिला करेंगे और बेदख़ल खेतों को उनके सिकमीदारों को वापस दिलाएँगे।

संघर्ष की दुन्दुभी बज गयी।

दूसरे दिन बेदख़ल खेतों पर किसान दख़ल करनेवाले थे। ज़मींदार को हवा लगी, तो खुद दौड़ा-दौड़ा थाने गया। अगर किसानों ने उनके निकाले खेतों पर क़ब्जा कर लिया, तो उनका साहस बढ़ा जाएगा। सब बना-बनाया खेल बिगड़ जाएगा। शुरू ही में उनका मनसूबा न तोड़ दिया गया, तो फिर खैर नहीं। दारोग़ा की मुट्ठियाँ गर्म हुईं। उस पर ज़मींदार ने यह भी बताया कि रामाधार को वहाँ आसानी से गिरफ़्तार भी किया जा सकता है। वह ज़रूर कल वहाँ आएगा, वही तो सब खुराफ़ातों की जड़ है, वर्ना किसानों की क्या हिम्मत, जो उसके सामने सर उठाते? रामाधार को गिरफ़्तार करना दारोग़ा के लिए वैसा ही था, जैसे किसी बड़ी तरक्की के लिए कोई डिपार्टमेण्टल परीक्षा पास करना।

किसानों को ज़मींदार के इस हथकण्डे का पता चला, तो रात को फिर पंचायत बुलायी गयी। रामाधार से पूछा गया कि अगर पुलिस मुदाख़लत करे, तो उन्हें क्या करना चाहिए? सवाल बहुत टेढ़ा था। सब की अलग-अलग राय थी। कोई कहता कि बेदख़ल खेतों को अभी न छेडऩा ही बेहतर है; कोई कहता हम पुलिस से भी भिड़ लेंगे; कोई कहता, ज़मींदार से समझौता कर लिया जाय; आदि-आदि। रामाधार की राय थी कि यह मसला सिर्फ़ इसी गाँव का नहीं है। जवार के सभी गाँवों में ज़मींदार और पुलिस यही धाँधली कर रहे हैं। पुलिस का मुक़ाबिला करना अकेले एक गाँव के बूते की बात नहीं है। सब गाँवों के किसानों को मिलकर यह मोर्चा लेना चाहिए। तभी मसला हल हो सकता है। मसले को छोडने और दूर हटाने से सब किसान एक-एक कर पिट जाएँगे और एक दिन सब बेदख़ल कर दिये जाएँगे।

बात आसान न थी। बातचीत होते-होते बेर हो गयी। चारों ओर सोता पड़ गया। लेकिन किसी नतीजे पर पहुँचना अब भी मुश्किल दिखाई दे रहा था। जिनके खेत बेदख़ल हुए थे, वे चाहते थे कि कुछ ऐसा जल्द और ज़रूर किया जाय कि उनके खेत वापस मिल जाएँ। वे जान देने के लिए भी तैयार थे।

तभी रामाधार के एक साथी ने दौड़े-दौड़े आकर बताया कि पुलिस आ गयी। अपने बचाव का जल्द इन्तज़ाम करो।

सब हड़बड़ में उठ खड़े हुए। अब?

गाँव में ठहरना ठीक नहीं। तलाशी हो सकती है। सब बाहर आये, तो बूटों की आवाज़ पास ही सुनाई पड़ी। सूचना देर से मिली थी। अब सोचने समझने का वक़्त कहाँ? सब को बिखर जाने को कहकर रामाधार अपने साथी के साथ आगे बढ़ा कि अँधेरे में सामने से बूटों की आवाज़ आयी। वे बग़ल की गली में मुड़े तो उन्हें ऐसा मालूम हुआ कि चारों ओर से बूटों की आवाज़ आ रही है। रामाधार साथी को एक ओर जाने का इशाराकर, सामने घर की ओर बढ़ा, तो साथी ने फुसफुसाकर कहा, "उस घर में नहीं। वह गत्ती भगत का घर है। पूछने पर वह सच बता देगा।" आवाज़ें नज़दीक आती जा रही थी। कोई चारा न था। रामाधार ने 'कोई हर्ज नहीं' का संकेत किया और घर की ओर बढ़ गया। दरवाज़ा खुला था। दालान में गत्ती पीढ़ी पर बैठा हुक्का गुडग़ुड़ा रहा था। रामाधार ने सामने जाकर कहा, "दादा, पुलिस पीछे पड़ गयी है। जाने का किसी ओर रास्ता नहीं। आज रात ... "

गत्ती भगत हड़बड़ाकर उठ खड़ा हुआ। और एक क्षण कुछ सोचकर उसने रामाधार की बाँह पकडक़र, बिना कुछ बोले, उसे अन्दर ढकेल दिया और खुद पीढ़ी से उठ, बाहर सहन में आ, दरवाज़ा खुला छोड़, बैठकर हुक्का गुडग़ुड़ाने लगा।

रात-भर पुलिस गाँव में हडक़म्प मचाये रही। सब ओर से नाकेबन्दी करके, सारी गलियाँ बूटों से रौंद दी गयीं। लेकिन फ़रार का कहीं पता न चला। तब ज़मींदार की राय से ख़ानातलाशी हुई। कहीं-न-कहीं गाँव में ही रामाधार छिपा होगा। दौड़ बिल्कुल वक़्त पर पहुँची थी। वह भागकर कैसे निकल सकता है।

सहमे हुए औरत-मर्द और बच्चे एक ओर खड़े हो जाते। पुलिस दो छन में तलाशी ले लेती। छोटे-छोटे घर और झोंपड़े। देखने-सुनने में वक़्त ही कितना लगता? आगे-आगे ज़मींदार और दारोग़ा और पीछे-पीछे पुलिस के सिपाही।

गत्ती भगत बदस्तूर सहन में बैठा हुक्का गुडग़ुड़ा रहा था, जैसे जो-कुछ गाँव में हो रहा था, उसे कुछ पता ही न हो। पुलिस का दल जब सहन में पहुँचा, तो वह हुक्का हाथ में लिये ही खड़ा हो गया और उसने ज़मींदार और दारोग़ा को सलाम किया। ज़मींदार ने पूछा, "रामाधार कहीं तुम्हारे घर में तो नहीं घुसा?"

गत्ती भगत ने आँखें झपकाकर कहा, "इस घर में उसका का काम, सरकार? मैं तो साँझ से ही यहाँ सहन में बैठा हूँ। का करूँ, रात में नींद नहीं आती। अब चला-चली का बखत आ गया।" कहकर उसने जम्हाई ली।

"हम तलाशी लेना चाहते हैं," दारोग़ा ने कहा।

"ले लीजिए, सरकार," गत्ती ने हुक्का दीवार से टिकाकर कहा, "दरवाजा तो खुला ही है।"

"नहीं, कोई ज़रूरत नहीं। बेकार वक़्त खराब करना ठीक नहीं। यह गत्ती भगत हैं। कभी झूठ नहीं बोलता। आगे चलिए!" और ज़मींदार के पीछे-पीछे दल आगे बढ़ गया। ...

रामाधार तो बच गया, लेकिन गत्ती भगत की यह बात जब लोगों को मालूम हुई, तो सभी के मुँह से अफ़सोस और ताज्जुब के साथ बस एक ही बात निकली, "गत्ती भगत की कण्ठी टूट गयी!"

लेकिन गत्ती भगत से जब कोई पूछता, तो वह कहता, "कण्ठी काहे को टूट गयी? गाय को कसाई के हाथ से बचाने के लिए झूठ बोलना का पाप है? अगर मैंने कोई पाप किया है, तो मेरे हाथ में जस नहीं रहेगा। आज से जो दवा मैं लगाऊँगा, उससे रोगी अच्छा नहीं होगा। मेरे जस-अजस की यही कसौटी है!"

और लोगों ने दूने ताज्जुब से देखा कि गत्ती भगत के हाथों का जस जैसा-का-तैसा बना रहा। उसकी दवा के कमाल में कोई फ़र्क नहीं आया। लेकिन उस दिन से ज़मींदार और दारोग़ा की नज़रों में गत्ती भगत बदल गया। उनके यहाँ उसका नाम कम्युनिस्टों में लिख लिया गया।

लघु कथा

कटती हुई हवा

ओमप्रकाश

पिछले लगभग दस दिनों से उस क्षेत्र के वृक्षों में चीख पुकार मची हुई थी। उस दिन सबसे आगे खड़े वृक्ष को हवा के साथ लहराती पत्तियों की सरसराहट सुनाई दी। उसने ध्यान से सुना, वह सरसराहट उससे कुछ दूरी पर खड़े एक दूसरे वृक्ष से आ रही थी। सरसराहट से आवाज़ आई, 'सुनो!' फिर वह आवाज़ कुछ कांपने सी लगी, 'पेड़खोर इन्सान... यहां तक पहुंच चुका है। पहले तो उसने... हम तक पहुंचने वाले पानी को रोका और अब हमें...आऽऽह!' और उसी समय वृक्ष पर कुल्हाड़ी के तेज प्रहार की आवाज़ आई। सबसे आगे खड़े उस वृक्ष की जड़ें तक कांप उठीं। उसके बाद सरसराहट से एक दर्दीला स्वर आया, 'उफ्फ! हम सब पेड़ों का यह परिवार कितना खुश और हवादार था। कितने ही बिछड़ गए और अब ये मुझ पर... आह! आह!'

तेज़ गति से कुल्हाड़ियों के वार की आवाज़ ने सरसराहट की चीखों को दबा दिया।

कुछ ही समय में कट कर गिरते हुए वृक्ष की चरचराहट के स्वर के साथ सरसराहट वाली आवाज़ फिर आई, इस बार यह आवाज़ बहुत कमजोर और बिखरी हुई थी, 'सुनो! मैं जा रहा हूँ। मेरे बहुत सारे बीज धरती माँ पर बिखर गए हैं। उगने पर उन्हें हवा-पानी, रोशनी और गर्मी के महत्व को समझाना मिट्टी से प्यार करना भी। प्रार्थना करना कि अगली बार मैं किसी ऊंचे पहाड़ पर उगूं जहां की हवा भी ये पेड़खोर छू नहीं पाएं। उफ्फ...मेरी जड़ें भी उखड़...'

धम्म से वृक्ष के गिरने का स्वर गूँजा और फिर चारों तरफ शांति छा गयी। सबसे आगे खड़ा वृक्ष शिकायती लहज़े में सोच रहा था, 'ईश्वर, तुमने हम पेड़ों को पीड़ा तो दी, पैर क्यों नहीं दिए?'

इन दिनों किताब

प्रिय निखिल आनंद गिरि का कविता-संग्रह-'इस कविता में प्रेमिका भी आनी थी' आज की डाक से प्राप्त हुआ। निखिल से पहली मुलाक़ात जेएनयु में उन्हें 'रविशंकर उपाध्याय युवा कविता पुरस्कार' दिए जाने के अवसर पर हुई थी। इस कार्यक्रम में उनके साथ कविता पाठ भी किया था। विषयों की नवीनता तथा बिल्कुल सहज ढंग से काव्य निर्वाह निखिल की खूबी है। बल्कि यह कहना ज़्यादा उचित होगा कि यह उनके कवि की प्रकृति है। यही कुछ वज़ह है कि उन्होंने ' सामुदायिक रेडियो स्टेशनों' को पीएचडी का विषय बनाया।

इस पुस्तक में शामिल- 'पहले क़दम से पहले,'कल सपने में पुलिस आई थी', 'वो किसी न किसी की प्रेमिका है', 'लोकतंत्र का व्याकरण', 'ये प्रेम त्रिकोणों का शहर है', 'हमारी रातों में सपने हैं,नींद नहीं', 'डरे हुए आदमी का शब्दकोश' शीर्षक सहित और कई कविता हैं जिनकी नवता पाठकों को आकर्षित करने और जिज्ञासा जगाने की सामर्थ्य रखती हैं।

कविता संग्रह की पहली कविता है- 'इच्छाओं का कोरस' जहाँ कवि जीवन की मासूमियत मगर प्रश्नकुलताओं का आग्रही है। मसलन-

'मेरी भोली इच्छा थी कि अच्छा बनूँ/ मगर यह अंतिम इच्छा की तरह नहीं था/ और भी इच्छा चलती रहीं साथ-साथ…राजा बनने से अधिक/उसकी आँखों में आँखें डालकर/ बात करने की इच्छा प्रबल रही/....इच्छाओं में दिल्ली आना कभी नहीं रहा/गाँव में जीवन गुजारना एक इच्छा थी/ मगर अब गाँव गाँव नहीं रहे/ और जीवन भी जीवन कहाँ रहा/'

'कल सपने में पुलिस आई थी' में हमारे समय की भयावहता और विवशता कुछ इस तरह उजागर है-"इधर कुछ दिनों से/ डरावनी हो गईं हैं मेरी सुबहें/ कल सपने में अचानक बज उठा सायरन/ और मैंने देखा सुबह मेरे घर पुलिस आई थी/ मुझे ठीक तरह से याद नहीं/ कितनी ज़मानत देकर छूटा था मैं सपने में'.....'और इसी बात पर मन करता है/कि अगर नहीं छूटती मुल्क से गुलामी/तो क्यों न छोड़ दिया जाए मुल्क ही/और उड़ कर भाग जाएँ सिंगापुर/ जब जेब में हों इत्ते भर पैसे/कि भागकर लौटा न जा सके'

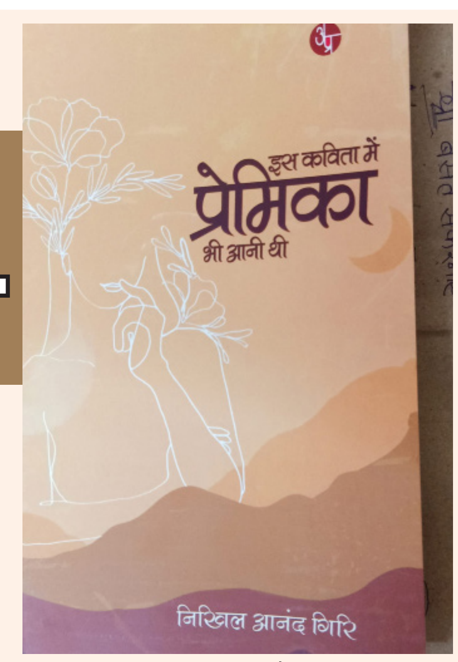

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

वृष – बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन – कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क – व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी।

सिंह – किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसगंति से बचें।

कन्या – धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला – धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक – किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु – कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। राजभय रहेगा।

मकर – प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

कुंभ – दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन – व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें।

वक्री ग्रह वैदिक ज्योतिष में

वक्री ग्रहों के बारे में बहुत सी बाते कही जाती हैं लेकिन फिर भी इनके विषय में अभी तक भी बहुत सी बाते छिपी हुई सी ही हैं. गोचर में जब सूर्य से छठे, सातवें व आठवें भाव में ग्रह विचरण करता है तब वह उसकी वक्र गति कहलाती है. वक्र अर्थात उलटा, लेकिन ग्रह उलटा चलता प्रतीत होता है लेकिन होता नहीं है. बुध व शुक्र की वक्र अवस्था उनके अंशों पर निर्भर करती हैं

बुध जब सूर्य से 20 अंशों की दूरी बनाता है तब वक्री होना आरंभ हो जाता है, इसी तरह से शुक्र जब सूर्य से 29 अंशों की दूरी पर जाता है तब वक्री होना आरंभ हो जाता है. कई बार बड़े ग्रह जब पांचवें व नौवे भाव में होते हैं तब भी वक्री हो जाते हैं. इस प्रकार मोटे तौर पर कह सकते हैं कि सूर्य से पांचवें भाव से नौवें भाव तक ग्रह वक्री अवस्था में विचरण करते हैं. वक्री ग्रहों के बारे में सभी विद्वानों का अपना-अपना मत हैं और ज्योतिषीय ग्रंथों में भी वक्री ग्रहों के बारे में भिन्न मत हैं. . वक्री ग्रह के विषय में ज्योतिषीय ग्रंथों में क्या लिखा है, आइए जानने का प्रयास करें.

सारावली के अनुसार वक्री ग्रह सुख प्रदान करने वाले होते हैं लेकिन यदि जन्म कुंडली में वक्री ग्रह शत्रु राशि में है या बलहीन अवस्था में हैं तब वह व्यक्ति को बिना कारण भ्रमण देने वाले होते हैं. यह व्यक्ति के लिए अरिष्टकारी भी सिद्ध होते हैं.

संकेतनिदि के अनुसार मंगल जब वक्री होता है तब अपने स्थान से अष्टम भाव के प्रभाव को दिखाता है. गुरु वक्री होने पर अपने स्थान से पंचम भाव के फल, बुध अपने स्थान से चतुर्थ भाव का प्रभाव, शुक्र अपने स्थान से सप्तम भाव का प्रभाव और शनि अपने स्थान से दशम भाव के परिणाम देता है. जातक पारिजात के अनुसार वक्री ग्रह के अलावा शत्रु भाव में किसी अन्य ग्रह का भ्रमण अपना एक तिहाई फल खो देता है.

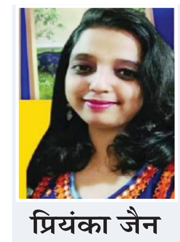

प्रियंका जैन
9769994439

उत्तर कालामृत के अनुसार जिस तरह से ग्रह अपने उच्च अथवा मूल त्रिकोण राशि में होता है ठीक वैसे ही ग्रह वक्री अवस्था में भी होता है. फल दीपिका में मंत्रेश्वर जी का कथन है कि ग्रह की वक्र गति उस ग्रह विशेष के चेष्टाबल को बढ़ाने का काम करती है.

कृष्णमूर्ति पद्धति के अनुसार प्रश्न के समय संबंधित ग्रह का वक्री होना अथवा वक्री ग्रह के नक्षत्र में होना नकारात्मक माना जाता है. काम के ना होने की संभावनाएँ अधिक बनती हैं. यदि संबंधित ग्रह वक्री नहीं है लेकिन प्रश्न के समय वक्री ग्रह के नक्षत्र में स्थित है तब कार्य पूर्ण नहीं होगा जब तक कि ग्रह वक्री अवस्था में स्थित रहेगा.

सर्वार्थ चिन्तामणि में आचार्य वेंकटेश ने वक्री ग्रहों की दशा व अन्तर्दशा का बढ़िया विवरण किया है. उनके अनुसार यदि मंगल ग्रह वक्री है और उसकी दशा/अन्तर्दशा चल रही हो तब व्यक्ति अग्नि तथा शत्रु आदि के भय से परेशान रहता है. ऐसी स्थिति में व्यक्ति एकांतवास करना चाहता है. सर्वार्थ चिन्तामणि के अनुसार ही वक्री बुध अपनी दशा/अन्तर्दशा में शुभ फल प्रदान करता है. व्यक्ति अपने साथी व परिवार का सुख भोगता है. व्यक्ति की रुचि धार्मिक कार्यों की ओर भी बनी रहती है.

सर्वार्थ चिन्तामणि के अनुसार ही वक्री गुरु परिवार में सुख व समृद्धि प्रदान करता है और शत्रु पक्ष पर विजय हासिल कराता है. व्यक्ति वैभवशाली जीवन जीता है.

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

शादी तय होने के बाद यात्री शेड में मिली युवती की लावारिश लाश

औरंगाबाद। औरंगाबाद में एक युवती का शव बरामद हुआ है जो शहर में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करती थी। उसकी शादी तय हो चुकी थी लेकिन इस बीच उसकी मौत से सनसनी फैली हुई है। संदिग्ध हालत में उसका शव बरामद हुआ है। मौत की वहज अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस गुत्थी को सुलझाएगी कि युवती ने खुदकुशी की है या फिर उसकी हत्या करके उसके शव को मौके पर फेंक कर कोई फरार हो गया है। पुलिस को फिलहाल हत्या का मामला लग रहा है। हालांकि जांच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। औरंगाबाद के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नौगढ़ मोड़ के पास एक यात्री शेड से एक 22 वर्षीय युवती का शव मुफस्सिल थाना की पुलिस ने गुरुवार को बरामद किया है। मृत युवती की पहचान थाना क्षेत्र के ही पहरमा गांव निवासी विनोद यादव की पुत्री नेहा कुमारी के रूप में हुई है।

सेना भर्ती की बदइंतजामी से खुली सरकार की पोल:गरिमा

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश कमेटी की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि पिथौरागढ़ में प्रादेशिक सेना भर्ती की बदइंतजामी से राज्य सरकार की पोल खुल चुकी है। उन्होंने कहा कि भर्ती के लिए आए अभ्यर्थियों को वापसी पर वाहन नहीं मिले और उन्हें सर्द मौसम में खुले आसमान के नीचे रात काटनी पड़ी। बेरोजगारों की भीड़ के आगे इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। भेड़-बकरियों की तरह कई किलोमीटर का सफर तय कर रोजगार की चाह में पिथौरागढ़ पहुंचे युवाओं के सेना भर्ती के सपने चूर-चूर हो गए। इससे पूरे देश में उत्तराखंड की किरकिरी हो रही है।

भोपाल के बाद इंदौर से हटाएंगे BRTS: सीएम

इंदौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को बड़ी घोषणा करते हुए राजधानी भोपाल की तरह इंदौर से भी BRTS (बस रेपिड ट्रांजिट सिस्टम) हटाने की बात कही। उन्होंने बताया कि इससे शहर के यातायात को सुगम बनाने बहुत मदद मिलेगी। उनके मुताबिक जरूरत पड़ने पर इसके लिए अदालत में भी पक्ष रखा जाएगा। साथ ही यादव ने कहा कि शहर के यातायात को बेहतर बनाने के लिए और भी कई और कदम भी उठाए जाएंगे। सीएम ने ये बातें गुरुवार को इंदौर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करने के दौरान कही। उन्होंने कहा, भोपाल में बीआरटीएस हटाने से शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर हुई है और लोगों को काफी राहत मिली है।

'लेखपाल से लेकर तहसीलदार तक आउटसोर्स से भर्ती'

अखिलेश यादव और सांसद चंद्रशेखर भड़के

एजेंसी । गोरखपुर

उत्तर प्रदेश में लेखपाल से लेकर तहसीलदार तक के पदों पर आउटसोर्सिंग के जरिए भरने के लिए विज्ञापन निकाला गया है। यह विज्ञापन भी कहीं और नहीं सीएम योगी के जिले गोरखपुर में निकला है। इसे लेकर गुरुवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश के बाद आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर ने भी इसे पिछड़ों और दलितों के साथ धोखा बताया है।

क्या कहा अखिलेश यादव ने ?

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि- 'बेहतर होगा कि भाजपा पूरी की पूरी सरकार ही आउटसोर्स कर दे तो उसका एक जगह से ही सारा कमीशन, एक साथ सेट हो जाए। ऐसा करने से भाजपा को फुटकर में नौकरी और उसके बहाने आरक्षण को खत्म करने का महाकष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। हम तो हमेशा से कहते रहे हैं, आज फिर दोहरा रहे हैं। नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। आउटसोर्सिंग PDA के खिलाफ एक आर्थिक साजिश है। भाजपा इस प्रस्ताव को तत्काल वापिस करे और नौकरी-आरक्षण का सांविधानिक हक न छीने।'

सांसद चंद्रशेखर ने भी सरकार पर बोला हमला

अखिलेश यादव के बाद सांसद चंद्रशेखर ने सरकार पर हमला बोला। चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री के 'बँटेंगे तो कटेंगे' के नारे को इससे जोड़ते हुए कहा कि अगर हम इस नारे को दूसरे तरीके से लें तो यह दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए संदेश है कि अगर वे बंटे तो यहां से लेकर दिल्ली तक उनके अधिकारों में कटौती की जाएगी। देश की 6,743 पिछड़ी जातियां बंटी हुई हैं। अब समय आ गया है कि हम एकजुट होकर इस समस्या को खत्म करें। इस नारे की प्रक्रिया गोरखपुर से ही शुरू हुई है, जहां पटवारी, कानूनगो आदि के पदों को 'आउटसोर्स' किया जाएगा।

शादी की खुशियां गम में बदलीं

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

एजेंसी । हजारीबाग

हजारीबाग के बरकट्ठा-बगोदर मार्ग पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी। ये घटना पांतीतीरी मोड़ के समीप हुई है। बरकट्ठा की ओर आ रही बुलेट (जेएच 02 बीपी 8612) आगे जा रहे वाहन से टकराते हुए अनियंत्रित हो गयी। इस बीच बगोदर की ओर से आ रही गाड़ी ने बुलेट सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कोल्हू बेडम टाटीझरिया के रहनेवाले मनीष कुमार (पिता-लखन प्रसाद मंडल) और पप्पू कुमार (पिता-नारायण प्रसाद मंडल) की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद ड्राइवर वाहन लेकर फरार हो गया। मृतक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे दोनों युवक

दोनों युवक बुलेट से शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सलैया बरकट्ठा जाने के दौरान दोनों युवक सड़क हादसे के शिकार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही गोरहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया गया। मृतक पप्पू कुमार बीएफटी के पद पर डुमर पंचायत में कार्यरत था। इस घटना की खबर मिलते ही शादी वालेघर का माहौल गम में बदल गया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर है।

दिल्ली की राह पर जमशेदपुर

जमशेदपुर। क्लीन सिटी के रूप में कभी प्रसिद्ध रहे जमशेदपुर शहर की हवा अब दूषित होती जा रही है। हालात यह है कि जमशेदपुर शहर का बुधवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) लेवल 250 के पार चला गया, जबकि 100 के पार जाने को खतरनाक माना जाता है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक खराब हवा दोपहर करीब 3 बजकर 2 मिनट पर पाया गया, जिस समय एक्यूआइ लेवल 250 के पार पहुंच गया। वहीं 19 नवंबर को शाम 5 बजे एक्यूआइ लेवल 47 था, मगर उसके बाद से एक्यूआइ लेवल बढ़ता हुआ 250 के पार पहुंच गया। 20 नवंबर की दोपहर 3 बजे तक एक्यूआइ लेवल 250 के पार चला गया।

कुंदरकी उपचुनाव

हेड कांस्टेबल निलंबित, आठ को ड्यूटी से हटाया

▶▶ एक चूक पड़ गई इन कर्मियों पर भारी

एजेंसी । मुरादाबाद

कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के मतदान के दौरान पुलिसकर्मियों ने मतदाताओं को धमकाया और उनकी वोटर आईडी चेक की। वीडियो वायरल होने के बाद प्रत्याशियों ने शिकायत की तो एसएसपी ने एक हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया और दरोगा समेत आठ पुलिसकर्मियों को ड्यूटी से हटा दिया।

निलंबित सिपाही के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश

निलंबित सिपाही के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए हैं। कुंदरकी विधानसभा सीट पर बुधवार को मतदान हुआ। मतदान के दौरान पुलिसकर्मियों ने मतदाताओं को जगह-जगह रोक दिया। उनकी आईडी चेक की। कुंदरकी बूथ पर हेड कांस्टेबल विपिन सिरोही ने मतदाताओं की आईडी चेक की।

यूपी में गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' टैक्स फ्री

सीएम योगी ने कैबिनेट के साथ देखा शो

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को लखनऊ के प्लासियो मॉल में गुजरात के गोधरा कांड पर आधारित फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने राज्य में फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान कर दिया है। शहीद पथ स्थित फिनिक्स पलासियो मॉल में फिल्म का सुबह 11.30 बजे विशेष शो रखा गया। सीएम के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी भी फिल्म देखने पहुंचे। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म की पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह फिल्म की तारीफ कर चुके हैं।

शिक्षकों के ट्रांसफर पर नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी । पटना

बिहार सरकार ने शिक्षकों के ट्रांसफर पर नया आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद एक बार फिर से शिक्षकों का नए सिरे से ट्रांसफर हो सकेगा। विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक अब बिहार में सक्षमता पास शिक्षक एक बार फिर से ट्रांसफर के लिए 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। नियम के मुताबिक इसके लिए सिर्फ विशेष समस्या से ग्रसित शिक्षक ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकेंगे। शिक्षकों ट्रांसफर के लिए आवेदन ई शिक्षा कोष पर करेंगे। विभाग के इस निर्णय से लाखों शिक्षकों को राहत मिलेगी।

पहले के आवेदन रद्द किये जायेंगे

शिक्षा विभाग के लिए जारी निर्देश में बताया गया है कि ट्रांसफर पोस्टिंग के लिये किए गए पहले के सभी आवेदन रद्द किए जाएंगे। मालूम हो कि 2 दिनों पहले ही बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षक ट्रांसफर नीति को स्थगित करने का फैसला किया था। बुधवार को सीएम नीतीश कुमार ने भी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटे जाने के दौरान कहा था कि अभी हमलोग शिक्षकों का ट्रांसफर नहीं करने वाले हैं। बड़ी संख्या में बिहार के शिक्षकों ने सीएम नीतीश कुमार से गुहार लगाई थी कि ट्रांसफर पोस्टिंग नीति हर हाल में लागू की जाए। उनका कहना है कि लाखों शिक्षक ट्रांसफर के इंतजार में है, जिन्हें जरूरत है सरकार उनका तबादला कर दें। अब नीतीश सरकार के फैसले से शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है।

ईपीएफओ सदस्यों को अपना यूएएन नंबर आधार आधारित ओटीपी से करना होगा सत्यापित

- 30 नवंबर तक चालू वित्तीय वर्ष में नौकरी में आए नए कर्मचारियों का सत्यापन किया जाना जरूरी
- उसके बाद नियोक्ताओं को अपने यहां कार्यरत अन्य कर्मचारियों का आधार आधारित कराना होगा सत्यापन

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े सदस्यों को अपने यूनिवर्सल एकाउंट नंबर (यूएएन) को सक्रिय बनाए रखने के लिए आधार-आधारित सत्यापन करना होगा। इसको लेकर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने नियोक्ताओं (कंपनियों एवं फर्मों) को निर्देश दिया है कि वो सभी यूएएन का आधार में दर्ज मोबाइल नंबर से प्राप्त वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के आधार पर सत्यापन कराएं, जिससे ईपीएफओ से जुड़े सदस्यों को सरकार द्वारा संचालित योजना का लाभ मिल सके।

ईएलआई योजना के लिए सक्रियता जरूरी

केंद्रीय बजट 2024-25 में सरकार ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना की घोषणा की थी। इस योजना का लाभ अधिकतम संख्या में नियोक्ता और कर्मचारी उठा सकें, इसके लिए मंत्रालय ने ईपीएफओ को नियोक्ताओं के साथ मिलकर अभियान चलाने का निर्देश दिया है, जिसके तहत कर्मचारियों के यूनिवर्सल अकाउंट नंबर की सक्रियता सुनिश्चित की जाएगी। ईएलआई योजना के तहत तीन तरह से मदद दी जाएगी।

- ▶▶ पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को 15,000 रुपए तीन किस्तों में सीधे उनके खातों में दिया जाएगा। पात्रता के लिए उनका मासिक वेतन एक लाख रुपए तक होना चाहिए। योजना से करीब दो करोड़ युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।
- ▶▶ विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन पर कर्मचारी और नियोक्तों को रोजगार के पहले चार वर्षों के दौरान अंशदान से संबंधित वित्तीय सहायता मिलेगी। इससे करीब 30 लाख युवा श्रमिकों और उनके नियोक्ताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।
- ▶▶ नई नौकरियों के लिए एक लाख रुपए प्रति माह से कम कमाने वाले प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए सरकार नियोक्ता को उनके ईपीएफओ अंशदान के लिए दो वर्षों तक 3,000 रुपए प्रति माह तक की प्रतिपूर्ति करेगी। इस 50 लाख अतिरिक्त रोजगार पैदा होने की उम्मीद।

सेंसेक्स 422 अंक गिरकर 77,155 पर बंद

▶▶ अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 23% फिसला

▶▶ निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में 21 नवंबर को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 422 अंक की गिरावट के साथ 77,155 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही, ये 23,349 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली है। आज FMCG और ऑटो शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 23.44% की गिरावट के साथ निफ्टी का टॉप लूजर रहा। वहीं IT शेयर्स में आज बढ़त रही।

सेंसेक्स के टॉप गेनर्स

वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, HCL टेक, टाटा स्टील और ICICI बैंक सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, TCS, इंफोसिस, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी लाभ में रहे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एसवीपी, रिसर्च अजीत मिश्रा ने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है, आज देसी शेयर बाजार में आधे प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बाजार में शुरुआत से ही रुख नकारात्मक था, हालांकि दिन चढ़ने के साथ आईटी और बैंकिंग सेक्टर के चुनिंदा दिग्गज शेयरों में खरीदारी से गिरावट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, निफ्टी सूचकांक अधिकांश सत्र के लिए एक दायरे में रहा और 23,349 .90 के स्तर पर बंद हुआ। क्षेत्रीय मोर्चे पर, रियल्टी और आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि ऊर्जा, धातु और एफएमसीजी लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 19 नवंबर को 240 अंक की तेजी के साथ 77,578 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 65 अंक चढ़ा था, ये 23518 के स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 873 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। सुबह सेंसेक्स करीब 1000 अंक ऊपर था।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का ईपीएफओ को कर्मचारियों का यूएएन सक्रिय रखने का निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना का लाभ उठाने के लिए कर्मचारियों का सार्वभौमिक खाता संख्या (यूएएन) सक्रिय हो। मंत्रालय ने बयान में कहा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन प्रभावी पहुंच के लिए अपने क्षेत्रीय और 'जोनल' कार्यालयों को शामिल करेगा। बयान के अनुसार, ' यह सुनिश्चित करने के लिए कि अधिकतम संख्या में नियोक्ता तथा कर्मचारी ईएलआई योजना से लाभान्वित हों, उसने ईपीएफओ को नियोक्ताओं के साथ अभियान के रूप में काम करने और कर्मचारियों के यूएएन को सक्रिय करने का निर्देश दिया है।'

एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी समेत 8 बैंक शेयरों पर ब्रोकरेज बुलिश

एजेंसी । मुंबई

दूसरी तिमाही (Q2FY25) में भारतीय बैंकिंग सेक्टर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सरकारी बैंकों ने प्राइवेट बैंकों के मुकाबले कहीं बेहतर नतीजे पेश किए। सरकारी बैंकों की आय में 39% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि प्राइवेट बैंकों की आय में सिर्फ 8% की बढ़ोतरी हुई। कमजोर नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) ग्रोथ और नेट इंटरेस्ट मार्जिन (NIM) में गिरावट ने प्राइवेट बैंकों के प्रदर्शन को सीमित कर दिया। वहीं, सरकारी बैंकों ने ट्रेजरी गेन, बैड लोन की वसूली और कम क्रेडिट कॉस्ट की मदद से मजबूत प्रदर्शन किया।

सरकारी बैंकों का प्रदर्शन

सरकारी बैंकों ने मजबूत आय वृद्धि दर्ज की, जिसमें प्रमुख योगदान ट्रेजरी गेन, बैड लोन की वसूली और गैर-ब्याज आय में सुधार का रहा। शेयरखान ने सरकारी बैंकों पर बुलिश रुख अपनाते हुए SBI, बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB), पंजाब नेशनल बैंक (PNB) और बैंक ऑफ इंडिया (BOI) को 'BUY' रेटिंग दी है। इन बैंकों के लिए शेयरखान ने नीचे बताए गए प्राइस टार्गेट तय किए हैं:

- SBI: वर्तमान प्राइस 780 .90, प्राइस टार्गेट 975
- BOB: वर्तमान प्राइस 228 .70, प्राइस टार्गेट 310
- PNB: वर्तमान प्राइस 96 .60, प्राइस टार्गेट 125
- BOI: वर्तमान प्राइस 101 .79, प्राइस टार्गेट 130

प्राइवेट बैंकों का प्रदर्शन

प्राइवेट बैंकों की आय में केवल 8% की वृद्धि हुई, जो कमजोर क्रेडिट ग्रोथ और NIM में गिरावट के चलते कम रही। प्राइवेट बैंकों की डिपॉजिट ग्रोथ 15% रही, जबकि लोन ग्रोथ सिर्फ 11% रही, जिससे उनका लोन-डिपॉजिट रेशियो (LDR) घटा। हालांकि, शेयरखान ने प्रमुख प्राइवेट बैंकों को निवेश के लिए बेहतर विकल्प माना है।

- HDFC बैंक: वर्तमान प्राइस 1739 .95, प्राइस टार्गेट 2000
- ICICI बैंक: वर्तमान प्राइस 1255 .85, प्राइस टार्गेट 1500
- Axis बैंक: वर्तमान प्राइस 1143 .50, प्राइस टार्गेट 1400
- IndusInd बैंक: वर्तमान प्राइस 983 .50, प्राइस टार्गेट 1500

भारत vs ऑस्ट्रेलिया पहला टेस्ट आज से

ऑप्टस स्टेडियम में दूसरी बार सामना, यहां ऑस्ट्रेलिया कभी नहीं हारा, नंबर-3 पर उतरेंगे पडिक्कल

एजेंसी | पर्थ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंबे इंतजार के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। कल 22 नवंबर (शुक्रवार) भारतीय समयानुसार सुबह 7.50 मिनट पर पहला टेस्ट शुरू होगा। रोहित शर्मा की गैर-मौजूदगी में भारत की कप्तानी जसप्रीत बुमराह करेंगे। बुमराह नई जिम्मेदारी मिलने से काफी खुश है। भारत पर्थ टेस्ट में कुछ युवा खिलाड़ियों को डेब्यू का मौका दे सकता है। इनमें मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल और ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी का नाम सबसे आगे चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया में तेज पिचों को देखते हुए रेड्डी को मौका दिया जा सकता है। वह बल्लेबाजी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी भी करते हैं। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। इसके अलावा आकाश दीप या हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक गेंदबाज को मौका मिल सकता है।

चुनौतीपूर्ण होगी सीरीज

उन्होंने कहा, अपनी धरती पर खेलते समय हमेशा दबाव रहता है। भारत की टीम काफी प्रतिभाशाली है और यह अच्छी चुनौती होगी। लेकिन हम बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हमेशा से चुनौतीपूर्ण होती है। पांच टेस्ट की सीरीज तो और भी प्रतिस्पर्धी होगी। यह ट्रॉफी जीतना शानदार होगा। भारतीय टीम बहुत अच्छी है लेकिन हमारी तैयारी भी पक्की है।

नाथन स्वाभाविक खेले

कमिंस ने यह भी कहा कि नए बल्लेबाज 25 वर्ष के नाथन मैकस्वीनी को डेविड वॉर्नर की नकल करने की बजाय अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। वॉर्नर ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली। कमिंस ने कहा, डेवी की जगह लेना मुश्किल है। नाथन नैसर्गिक खेल दिखाए। डेविड की तरह 80 की स्ट्राइक रेट से रन बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उसका खेल नहीं है। मैकस्वीनी और ख्वाजा से हमें अच्छी शुरुआत की उम्मीद है। दोनों क्वींसलैंड के लिए साथ में खेल चुके हैं। भारत के हरफनमौला और आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद में साथी खिलाड़ी नीतीश रेड्डी के बारे में उन्होंने कहा, वह काफी प्रभावी है। सनराइजर्स के लिए उसने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की लेकिन वह गेंद को स्विंग कराने में माहिर है।

ऑस्ट्रेलिया 3-1 से जीतेगा : पोंटिंग

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने फिर कहा है कि आगामी सीरीज मेजबान टीम जीतेगी। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, मैं अब भी कहता हूं कि ऑस्ट्रेलिया 3-1 से जीतेगा। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी बहुत अच्छी है, लिहाजा मैं अपनी भविष्यवाणी पर कायम हूं। हालांकि मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को रन बनाने होंगे। पिछली बार सनी (गावस्कर) सही साबित हुआ था लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस बार रवि (शास्त्री) सही साबित नहीं होगा। मैं अभी भी कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया जीतेगा। उन्होंने साथ ही अंदेशा जताया कि एडीलेड टेस्ट में दूसरे टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है। दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से शुरू होगा जो दिन-रात का मैच होगा। पर साथ ही रिकी ने माना कि न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में हार के बावजूद भारतीय टीम काफी संतुलित है।

भारत ने किया 4 बार कब्जा, 5वीं बार मौका

टीम इंडिया के लिए सबसे खास बात यह है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को टीम लगातार 4 बार जीत चुकी है। भारत ने 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया को होम सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके बाद 2018-19 में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। यहां भी भारत ने कंगारूओं को 2-1 की शिकस्त दी थी। तीसरी बार फिर से भारतीय टीम 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर पहुंची। यहां 4 मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर 2-1 से रौंदा। चौथा मौका 2022-23 में बना, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आई। यहां भी पिछले 3 बार की तरह वही परिणाम देखने को मिला और इस तरह भारत ने लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा किया। अब पांचवी मर्तबा भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में पहुंची है। अबकि बार 5 टेस्ट की सीरीज खेली जाएगी। भारत के लिए इस बार सीरीज बड़े अंतर से जीतना बेहद जरूरी है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारत को यहां 4-1 की जीत से कम कुछ नहीं चाहिए।

टीम पर होगा दबाव : कप्तान कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज काफी प्रतिस्पर्धी होने वाली है क्योंकि दोनों दिग्गज चार की बजाय पांच टेस्ट मैच खेलेंगे। कमिंस ने पहले मैच से पूर्व गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा, स्वीकार किया कि उनकी टीम पर दबाव होगा जो भारत से पिछली चार टेस्ट सीरीज हार चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

अमनदीप और जैस्मीन ने संयुक्त बढ़त हासिल की

हैदराबाद। भारतीय गोल्फर अमनदीप द्राल ने महिला प्रो गोल्फ टूर के 15वें और अंतिम चरण के लगातार दूसरे दिन दो अंडर 70 का कार्ड खेल संयुक्त बढ़त बना ली। इस सत्र में एक खिताब जीतने वाली अमनदीप ने अपने अंतिम 10 होल में पार का स्कोर बनाया। पहले चार होल में वह दो बोगी कर बैठीं लेकिन पांचवें से आठवें होल के बीच तीन बर्डी से वह 70 का कार्ड बनाने में कामयाब रहीं। इससे दो दिन में उनका स्कोर चार अंडर 140 हो गया है। जैस्मीन शेखर ने एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे वह चार अंडर 140 के स्कोर से अमनदीप के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। स्नेहा सिंह (71) और नयनिका सांगा (73) संयुक्त तीसरे जबकि 'ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर चल रहीं हिताशी बख्शी 69-73 के कार्ड से अकेले पांचवें स्थान पर हैं।

दाम घटने के मांजरेकर के बयान पर भड़के शमी

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर को इस बयान के लिए आड़े हाथों लिया है कि इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी में भारत के इस तेज गेंदबाज पर ज्यादा बोली नहीं लगेगी। शमी को गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रुपये है। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिए हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, बाबा की जय हो। थोड़ा सा ज्ञान अपने फ्यूचर के लिए भी बचा लो, काम आएगा संजय जी। किसी को फ्यूचर जानना हो तो सर से मिले। मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा था, टीमों की उनमे दिलचस्पी होगी लेकिन चोटों के उनके इतिहास को देखते हुए सत्र के बीच में बाहर होने की आशंका रहती है। अगर भारी पैसा लगातार सत्र के बीच में उन्हें खोना पड़ जाये तो टीम के पास विकल्प कम रह जायेंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात की कप्तानी करेंगे अक्षर

मुंबई। स्टार भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) के लिए गुजरात की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने 21 नवंबर को ही इसकी घोषणा की। शनिवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में पटेल की मौजूदगी से उनकी टीम के प्रदर्शन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। बता दें, अक्षर ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की टी-20 सीरीज में हिस्सा लिया था। SMAT 2024 में गुजरात की टीम को ग्रुप-B में शामिल किया गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत इंदौर में बड़ौदा के खिलाफ करेगी। अक्षर की बात करें तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 4 टी-20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 3 पारियों में 3 विकेट लिए थे और बल्ले से 35 रन बनाए थे। अक्षर के अलावा गुजरात की टीम में एक और भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रवि बिश्नोई भी शामिल हैं। SMAT 2024 की शुरुआत 23 नवंबर होगी, जिसमें 38 टीमें खेलेंगी। टीमों को 5 ग्रुपों में बांटा गया है। ग्रुप-A, B और C में 8-8 टीमें हैं, जबकि ग्रुप-D और E में 7-7 टीमें हैं।

गुजरात की टीम : अक्षर पटेल (कप्तान), उर्विल पटेल (विकेटकीपर), आर्या देसाई, स्मित पटेल, सौरव चौहान (विकेटकीपर), उमंग रोहित कुमार, रिपल पटेल, हेमांग पटेल, रवि बिश्नोई, चिंतन गाजा, अर्जन नागवासवाला, तेजस पटेल, अभिषेक देसाई (विकेटकीपर), विशाल जयसवाल, दृश्यंत सोनी, जयवीर परमार और प्रियजीत जड़ेजा।

पीवी सिंधू का चाइना मास्टर्स में सफर हुआ खत्म

दूसरे मैच में सिंगापुर की यिओ ने हराया

एजेंसी | सिंगापुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू गुरुवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मुकाबले में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की लेकिन सिंगापुर की यिओ ने अच्छी वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। सिंधू ने पहला गेम जीता लेकिन अपनी लय को बनाए नहीं रख पाई और उन्हें यिओ से 16-21, 21-17, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा।

पहला गेम : सिंधू हारी

पहले दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बुसानन ओंगबैमरुंगफान को हराने वाली दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को दूसरे दौर में जिया मिन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद एक घंटे नौ मिनट में 16-21 21-17 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने सतर्क शुरुआत की जिसके बाद जिया मिन ने सिंधू की गलतियों का फायदा उठाकर ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली। सिंधू ने हालांकि लगातार चार अंक के साथ स्कोर 10-11 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 16 अंक तक कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसके बाद सिंगापुर की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक के साथ पहला गेम जीत लिया।

दूसरा गेम : बराबर रहा मुकाबला

दूसरे गेम में सिंधू ने 8-5 की बढ़त बनाई लेकिन जिया मिन वापसी करके स्कोर बराबर करने में सफल रही। भारत

तीसरे और निर्णायक गेम में भी कड़ी टक्कर

तीसरे और निर्णायक गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिंधू एक समय 13-9 से आगे थी लेकिन जिया मिन ने आक्रामक खेल दिखाने के अलावा सिंधू की गलतियों का फायदा उठाकर जीत हासिल कर ली। इससे पहले महिलाओं के वर्ग में सिंधू ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 50 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 21-17, 21-19 से मात दी। दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू की विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज बुसानन के खिलाफ 21 मुकाबलों में सिंधू की 20वीं जीत थी। सिंधू को जिया मिन के खिलाफ छह मैच में पहली बार हार का सामना करना पड़ा।

खिलाड़ी ने हालांकि 17-17 के स्कोर पर लगातार चार अंक के साथ गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

न्यूजीलैंड श्रृंखला का बोझ लेकर यहां नहीं आये हैं : बुमराह

पर्थ। आस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौतीपूर्ण टेस्ट श्रृंखला से पहले भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम घरेलू श्रृंखला में न्यूजीलैंड से 0.3 से मिली हार का बोझ लेकर यहां नहीं आई है। पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला शुक्रवार से यहां शुरू होगी। पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर रोहित शर्मा की जगह कप्तानी कर रहे बुमराह ने कहा ,'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरुआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं , तब भी तो ऐसा ही होता है। हम भारत से कोई बोझ लेकर नहीं आये हैं। न्यूजीलैंड श्रृंखला से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे नतीजे अलग रहे हैं।'

शिल्पा शेट्टी को कोर्ट से राहत

शिल्पा शेट्टी के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के चलते शिकायत दर्ज की गई थी। उन पर आरोप लगाया था कि एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में शिल्पा ने जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल कर देशभर के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। अब सालों बाद इस मामले में शिल्पा को कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल, राजस्थान हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे इस मामले को रद्द कर दिया है।

SC-ST के तहत दर्ज हुआ था मामला

साल 2017 में शिल्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई थी। इसी मामले की सुनवाई आज यानी 21 नवंबर को हाई कोर्ट में हुई। जोधपुर के हाईकोर्ट की बेंच ने इस शिकायत मामले में शिल्पा और सलमान के पक्ष में फैसला सुनाया है। दोनों के खिलाफ SC-ST के तहत मामला दर्ज किया गया था। साल 2013 में टीवी को दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा ने 'भंगी' शब्द का इस्तेमाल किया था। इस इंटरव्यू में सलमान खान भी मौजूद थे।

आनंद राय की हॉरर कॉमेडी फिल्म में कृति सैनन

शि आने वाले दिनों में कई हॉरर कॉमेडी फिल्में दर्शकों के बीच आने वाली हैं। पिछले कई दिनों से कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इससे पहले श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' और 'मुंज्या' ने भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब अभिनेत्री कृति सैनन पर्दे पर 'नई नवेली' नाम की हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी। जल्द ही यह फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाली हैं।

फिल्म से जुड़कर उत्साहित हैं कृति

रिपोर्ट के मुताबिक, कृति को निर्देशक आनंद एल राय की अगली हॉरर कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' की हीरोइन बना दिया गया है। आनंद की फिल्म 'तेरे इश्क में' की लीड हीरोइन भी कृति ही हैं। इसमें साउथ के स्टार धनुष उनके जोड़ीदार बने हैं। यह फिल्म पर्दे पर आई नहीं है कि इससे पहले ही आनंद की अगली फिल्म भी कृति की झोली में गिर गई है और वह इससे जुड़कर बेहद उत्साहित हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

कृति, आनंद के साथ कई फिल्मों पर चर्चा कर रही हैं और वह उनके काम की बड़ी प्रशंसक हैं। जैसे ही आनंद ने उन्हें हॉरर कॉमेडी फिल्म के बारे में बताया, वो इसका हिस्सा बनने के लिए फौरन राजी हो गईं। फिल्म 'तेरे इश्क में' की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा पूरा होने के बाद 2025 के मध्य तक हॉरर कॉमेडी फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

'अग्नि' में प्रतीक का कमाल

अभिनेता प्रतीक गांधी पिछल बार फिल्म 'डेढ़ बीघा जमीन' में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। यह फिल्म जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। अब प्रतीक जल्द ही फिल्म 'अग्नि' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' के निर्देशक राहुल ढोलकिया ने संभाली है। निर्माताओं ने 'अग्नि' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें प्रतीक की अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है। प्रतीक के अलावा 'अग्नि' में दिव्येंदु और जीतेंद्र जोशी जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे। सई ताम्हणकर और सैयामी खेर भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'साहस, सम्मान और बलिदान, इसी से नायक बनते हैं।' यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 6 दिसंबर, 2024 से प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

'पति पत्नी और वो 2' में नजर आएंगी रवीना टंडन

कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे की फिल्म 'पति पत्नी और वो' को दर्शकों का खूब प्यार मिला। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 86.89 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। 'पति पत्नी और वो' के सीक्वल का ऐलान पहले ही हो चुका है। अब खबर आ रही है कि 'पति पत्नी और वो' की स्टार कास्ट में अभिनेत्री रवीना टंडन भी शामिल हो गई हैं।

मुदस्सर अजीज कर रहे रवीना से बातचीत

रिपोर्ट के मुताबिक, 'पति पत्नी और वो 2' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने रवीना से संपर्क किया है। फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज और रवीना के बीच बातचीत जारी है। इस फिल्म में रवीना एक बोल्ड महिला का किरदार निभाएंगी, जो कार्तिक के जिंदगी में उलझन पैदा करती है। यह कार्तिक और रवीना के बीच पहला सहयोग होने वाला है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

अनन्या पांडे का कटा पत्ता

'पति पत्नी और वो 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। कहा जा रहा है कि अगले साल की शुरुआत में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इस फिल्म से अनन्या का पत्ता कट गया है। 'पति पत्नी और वो' की कहानी चिंटू त्यागी (कार्तिक) और उसकी पत्नी वेदिका (भूमि) की है। दोनों साथ में खुश थे, लेकिन फिर अचानक चिंटू के ऑफिस में फैशन डिजाइनर तपस्या (अनन्या) की एंट्री होती है और सब बदल जाता है।

न्यूज ब्रीफ

इसरो और ऑस्ट्रेलियाई एजेंसी में समझौता

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया कि उसने दो अंतरिक्ष गतिविधियों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) के साथ एक कार्यान्वयन समझौते (आईए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता देश के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान मिशन के लिए दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच चालक दल और चालक दल मॉड्यूल से जुड़े सहयोग को सक्षम बनाएगा। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि 20 नवंबर को बेंगलुरू में इसरो की ओर से मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) के निदेशक डीके सिंह और कैनबरा में एएसए की ओर से अंतरिक्ष क्षमता शाखा के महाप्रबंधक जेरोड पॉवेल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कर्नाटक में चार अफसरों के ठिकानों पर लोकायुक्त के छापे

बेंगलुरू। कर्नाटक लोकायुक्त ने गुरुवार को राज्य में चार सरकारी अधिकारियों के करीब दो दर्जन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह कार्रवाई बेंगलुरू, मांड्या और चिक्काबल्लापुरा जिले में हुई। इस दौरान भारी मात्रा में नकदी, आभूषण, घड़ियां और अन्य कीमती सामान बरामद किए गए। कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों में माइन्स और जियोलॉजी विभाग की वरिष्ठ भूवैज्ञानिक कृष्णवेणी एमसी, कावेरी नीरावरी निगम के प्रबंध निदेशक महेश, नगर एवं ग्राम नियोजन के निदेशक एनके थिप्पेस्वामी और संयुक्त आबकारी आयुक्त कार्यालय के आबकारी अधीक्षक मोहन के शामिल हैं।

'बैंड बाजा बारात' गैंग के 4 मेंबर अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग शादियों में चोरी करने के लिए कुख्यात थे। इन लोगों का एक कुख्यात गैंग भी है, इसका नाम बैंड बाजा बारात गैंग है। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम हैं, राज कुमार उर्फ राजू, सुमित, मोहित और करण। पुलिस ने इन लोगों को बुधवार को घिटोरनी मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया, जब वे एक शादी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) संजय भाटिया के अनुसार, चोर कुख्यात 'बैंड बाजा बारात' गिरोह के हैं। ये लोग दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में शादियों के मौसम में सक्रिय हो जाता है। गिरोह के सदस्य, जो ज्यादातर मध्य प्रदेश के राजगढ़ से आते हैं, पॉश इलाकों में शादियों में पहुँचने के लिए बच्चों या महिलाओं का इस्तेमाल करते थे और बैग या कोई कीमती सामान लेकर भाग जाते थे।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में जमानत

नई दिल्ली। श्री राज महल ज्वैलर्स के पूर्व निदेशक प्रवीण कुमार गुप्ता को करोड़ों रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अदालत ने अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने यह देखते हुए कि जांच और मुकदमे के उचित समय सीमा के भीतर समाप्त होने की कोई संभावना नहीं है। जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने आगे कहा कि जमानत देने से इनकार करना और आरोपी को जांच अधिकारी के विवेक पर छोड़ना शक्तियों का दुरुपयोग हो सकता है।

हाईकोर्ट से गोवा के राज्यपाल के खिलाफ दर्ज FIR खारिज

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर की थी टिप्पणी

एजेंसी । कोच्चि

केरल उच्च न्यायालय ने गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई के खिलाफ 2018 में सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ उनके भाषण में कुछ टिप्पणियों के लिए दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया है।

न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन ने कहा कि आईपीसी की धारा 505(1)(बी) के तहत अपराध नहीं बनता है क्योंकि उन्होंने युवा मोर्चा की राज्य समिति की बैठक में भाषण दिया था, न कि किसी सार्वजनिक सभा में। धारा 505(1)(बी) में प्रावधान है कि जो कोई भी व्यक्ति 'जनता या जनता के किसी वर्ग में भय या चिंता पैदा करने के इरादे से या जिससे किसी व्यक्ति को राज्य या सार्वजनिक शांति के खिलाफ अपराध करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है' ऐसा बयान देता है, तो उसे तीन साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। इसके अलावा, पिल्लई वर्तमान में गोवा के राज्यपाल हैं। संविधान के अनुच्छेद 361(2) के अनुसार, 'राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी न्यायालय में कोई भी आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी।

क्या था बयान, किसने दर्ज कराया एफआईआर?

दरअसल पीएस श्रीधरन पिल्लई ने अपने भाषण में सबरीमाला मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने वाले सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की भी आलोचना की थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि 'किसी निर्णय की निष्पक्ष और उचित आलोचना, जो एक सार्वजनिक दस्तावेज है, अवमानना नहीं मानी जाएगी या आपराधिक अपराध को आकर्षित नहीं करेगी'। इस मामले में भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष पिल्लई के खिलाफ एक पत्रकार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसने आरोप लगाया था कि 4 नवंबर, 2018 को अपने भाषण में पीएस श्रीधरन पिल्लई ने कहा था कि 'युवती (किशोरावस्था की महिलाओं) के प्रवेश की स्थिति में 'थंथरी' (मुख्य पुजारी) की तरफ से 'सबरीमाला नाडा' (मंदिर के दरवाजे) को बंद करना अदालत की अवमानना नहीं माना जाएगा'।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिया तर्क : अभियोजन पक्ष ने अदालत से मामले की जांच में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया था क्योंकि जांच अभी भी चल रही थी। इसने अदालत के समक्ष यह भी तर्क दिया था कि पिल्लई की तरफ से अपने भाषण में दिए गए बयान जनता के लिए खतरनाक थे और व्यक्तियों को राज्य या सार्वजनिक शांति के खिलाफ अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते थे। अभियोजन पक्ष से असहमत होते हुए, अदालत ने यह भी कहा कि केवल इसलिए कि पिल्लई की तरफ से एक होटल में दिया गया भाषण समाचार चैनलों और मीडिया की तरफ से प्रकाशित किया गया था, याचिकाकर्ता को धारा 505 (1) (बी) आईपीसी के तहत दंडनीय अपराधों के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। अदालत ने कहा, 'मीडिया को खबरें प्रकाशित करने का अधिकार है और इसलिए उन्हें भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

शराब नीति केस

दिल्ली हाईकोर्ट का ED को नोटिस

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर स्टे नहीं दिया

एजेंसी । नई दिल्ली

शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर गुरुवार दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने ED को नोटिस जारी किया। इसमें जांच एजेंसी से उसका पक्ष रखने को कहा गया। केजरीवाल ने बुधवार को याचिका लगाकर ट्रायल कोर्ट के फैसले पर स्टे लगाने की मांग की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने अभी स्टे पर फैसला नहीं दिया है। केजरीवाल की दलील है कि निचली अदालत ने बिना किसी पूर्व मंजूरी के अपराध का संज्ञान लेने में गलती की है। ऐसे मामलों में CrPC की धारा 197 (1) के तहत राज्यपाल की पूर्व मंजूरी लेना आवश्यक होता है, क्योंकि उस वक्त वह (केजरीवाल) CM पद पर थे। केजरीवाल फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। उनके खिलाफ 2 जांच एजेंसी (ED और CBI) ने केस दर्ज किया है। केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 13 सितंबर को CBI केस में जमानत दी थी।

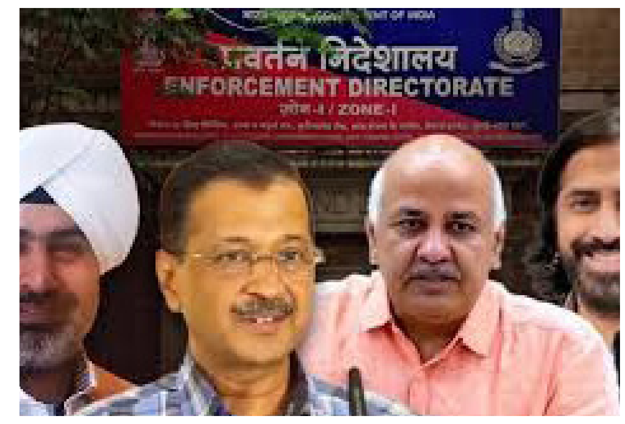

केजरीवाल 156 दिन जेल में बिता चुके

केजरीवाल को ED ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 10 दिन की पूछताछ के बाद 1 अप्रैल को तिहाड़ जेल भेजा गया। 10 मई को 21 दिन के लिए लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए रिहा किया गया। ये रिहाई 51 दिन जेल में रहने के बाद मिली थी। 2 जून को केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया। 13 सितंबर को केजरीवाल की रिहाई के वक्त उन्हें जेल गए कुल 177 दिन हो गए थे। इनमें से वे 21 दिन अंतरिम जमानत पर रहे। यानी केजरीवाल ने अब तक कुल 156 दिन जेल में बिताए हैं।

क्या है दिल्ली का कथित शराब घोटाला?

17 नवंबर 2021 को दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने एक्साइज पॉलिसी 2021-22 को लागू किया. नई पॉलिसी के तहत, शराब कारोबार से सरकार बाहर आ गई और पूरी दुकानें निजी हाथों में चली गईं. दिल्ली सरकार का दावा था कि नई शराब नीति से माफिया राज खत्म होगा और सरकार के रेवेन्यू में बढ़ोतरी होगी. हालांकि, ये नीति शुरू से ही विवादों में रही और जब बवाल ज्यादा बढ़ गया तो 28 जुलाई 2022 को सरकार ने इसे रद्द कर दिया. कथित शराब घोटाले का खुलासा 8 जुलाई 2022 को दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव नरेश कुमार की रिपोर्ट से हुआ था.

दिल्ली बना सबसे प्रदूषित शहर

सप्ताह-दर-सप्ताह पलूशन में हो रही 20 फीसदी की वृद्धि

281 शहरों में पीएम-2.5 के स्तर का विश्लेषण

एजेंसी । नई दिल्ली

एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली भारत का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। इसमें बताया गया है कि दिल्ली में औसत PM 2.5 का स्तर 243.3 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया है। सप्ताह-दर-सप्ताह पलूशन के स्तर में करीब बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। रेस्पिरर लिविंग साइंसेज के द्वारा वायु गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया है। इसमें भारत के कुल 281 शहरों में पीएम-2.5 के स्तर का विश्लेषण किया गया है। 3-16 नवंबर के बीच दिल्ली का स्थान अंतिम यानी 281 रहा है। इसमें मुख्य प्रदूषक पीएम-2.5 था। ये 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाले महीन कण होते हैं। इनकी चौड़ाई मोटे तौर पर मानव के बाल बराबर होती है।

गंगा के मैदान समेत पड़ोसी राज्यों को पहुंचा रहे नुकसान

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली का प्रदूषण गंगा के मैदान और उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित कई अन्य उत्तरी राज्यों को प्रभावित करने वाली एक बड़ी समस्या बना हुआ है। क्योंकि इन इलाकों में भी वायु की गुणवत्ता खराब स्तर पर पहुंच गई है। सर्दियों की मौसमी शुरुआत, तापमान में उतार-चढ़ाव और हवा की गति में कमी के कारण प्रदूषण और बढ़ गया है। रेस्पिरर लिविंग साइंसेज के संस्थापक और सीईओ रौनक सुतारिया ने विश्लेषण के बारे में पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा कि हर साल नवंबर के आसपास प्रदूषण के स्तर में उछाल सामान्य पैटर्न से काफी अलग है, जो आमतौर पर दिसंबर के मध्य से फरवरी के बीच ऐसे स्तर को देखता है।

करीमगंज होगा श्रीभूमि, सरकार ने बदला नाम

करीमगंज। असम सरकार ने गुरुवार को बराक घाटी के जिले करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने की आधिकारिक आधिसूचना जारी कर दी है। असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का निर्णय लिया था। बदलाव के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शरमा ने कहा कि 100 साल से भी पहले कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम के आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि (मां लक्ष्मी की भूमि) बताया था। आज असम कैबिनेट ने अपने लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। मुख्यमंत्री शरमा ने कहा कि हम उन नामों को बदलना जारी रखेंगे जिनका कोई शब्दकोश संदर्भ या कोई अन्य ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। हम यह काम लंबे समय से कर रहे हैं और यह एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जिले का नाम बदलने का निर्णय जिले के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। इस जिले का नाम बदलने से इसे एक अलग पहचान मिलेगी और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को मान्यता मिलेगी।

सरदारों पर बने चुटकुले दिखाने वाली वेबसाइटें होंगी बैन? 'महत्वपूर्ण मामला' की सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट (SC) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सिख समुदाय के सदस्यों पर चुटकुले (जोक्स) दिखाने और उनकी खराब छवि पेश करने से जुड़ीं वेबसाइट पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह करने वाली याचिका पर आठ सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, ''यह एक महत्वपूर्ण मामला है।''

परीक्षणों से पता चला

शीर्ष अदालत अक्टूबर 2015 में याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई थी जिसके बाद इसी तरह की शिकायतें उठाने वाली और याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाकर्ता ने पूर्व में सिखों पर चुटकुले प्रदर्शित करने वाली और समुदाय के सदस्यों को खराब छवि में पेश करने वाली 5,000 से अधिक वेबसाइट होने का उल्लेख किया था। याचिका में कहा गया कि सिखों पर चुटकुले प्रदर्शित करने वाली ऐसी वेबसाइट पर संविधान के तहत प्रदत्त जीवन और सम्मान के साथ जीने के मौलिक अधिकार के उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि सरदारों या सिखों पर चुटकुले फैलाने वाली ऐसी वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

आठ सप्ताह का समय

याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी ने पीठ को सूचित किया कि वह अपने सुझावों के साथ-साथ मामले में अन्य पक्षों के सुझावों को समेकित करेंगी और एक संक्षिप्त संकलन दाखिल करेंगी। पीठ ने उन्हें आठ सप्ताह का समय दिया और मामले को इसके बाद के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई के दौरान, चौधरी ने सिख समुदाय की उन महिलाओं की शिकायतों का जिक्र किया जिनका उनके पहनावे के लिए मजाक उड़ाया गया।

बंगाल सरकार कर सकती है पूर्व पुलिस आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी । कोलकाता

केंद्र सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को बताया कि बंगाल की राज्य सरकार कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत कुमार गोयल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। कोर्ट को केंद्र की ओर से बताया गया कि आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले में पीड़िता का नाम लेने के लिए पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत कुमार गोयल के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अशोक चक्रवर्ती ने विगत माह में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश टीएस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को इस बात की जानकारी दी।

मामले में HC ने क्या दिया आदेश: इस जानकारी के बाद खंडपीठ ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को इस मामले में पक्षकार बनाने के भी आदेश दिए हैं। चूंकि डीओपीटी सभी केंद्रीय सेवा अधिकारियों का कैडर-नियंत्रण प्राधिकरण है, इसी में आईपीएस शामिल हैं। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से हलफनामा भी मांगा है। इस हलफनामें में कानून के उल्लंघन पर अखिल भारतीय सेवा के किसी अधिकारी के खिलाफ की जा सकने वाली कार्रवाई के प्रवृत्ति के बारे में बताए जाने की बात कही है। जानकारी दें कि गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अशोक चक्रवर्ती ने कोर्ट को बताया कि इस पूरे मामले में पूर्व नगर पुलिस आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने में पश्चिम बंगाल सरकार पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इसी के साथ अगर राज्य सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं शुरु करती है तो याचिकाकर्ता नए सिरे से हाईकोर्ट में अपील दाखिल कर सकता है।

बंधुओं मजदूरों को वित्तीय सहायता में देरी

बंधुआ मजदूर तस्करी रोकने पर प्रस्ताव तैयार करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

बचाए गए बंधुआ मजदूरों को तत्काल वित्तीय सहायता जारी नहीं किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मीटिंग करें और अंतरराज्यीय मानव तस्करी के मुद्दे व बचाए गए बाल मजदूरों को तत्काल वित्तीय सहायता देने के बारे में प्रस्ताव तैयार करें।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी की स्थिति पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान यूपी की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि यूपी के आंकड़े बेहद गंभीर हैं। कुल 5262 मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों में से सिर्फ 1101 को तत्काल वित्तीय सहायता दी गई है। अभी भी 4167 मजदूर अभी भी सहायता के इंतजार में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अंतरराज्यीय बच्चों की तस्करी के मुद्दे को केंद्र और सभी राज्यों द्वारा मिलकर एक समाधान तलाशने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि हम श्रम और रोजगार मंत्रालय के सेक्रेटरी को निर्देश देते हैं कि वे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अपने समकक्षों के साथ बैठक करें और इस मुद्दे को हल करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करें जिसमें अंतरराज्यीय मानव तस्करी और रिहाई प्रमाण पत्र जारी करने के साथ-साथ बचाए गए बाल मजदूरों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता के लिए सरल प्रक्रिया तय किए जाने की जरूरत है। साथ ही अदालत ने कहा है कि एनएचआरसी को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

महंगाई | **आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में अभी तक बड़ी नरमी नहीं**

सर्दी के मौसम में भी महंगाई से राहत नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

सर्दियों को मौसम शुरू होने के बाद भी महंगाई से कोई बड़ी राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। कुछ चुनिंदा हरी सब्जियों को छोड़ दिया जाए तो बाकी सब्जियों के दामों में कोई बड़ी नरमी नहीं है। रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले आलू, टमाटर के साथ प्याज की कीमतों में तेजी बरकरार है। इसी बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नवंबर माह की अपनी रिपोर्ट में माना है कि सब्जियों और खाद्य तेल की कीमतों में तेजी बनी हुई है। खुदरा बाजार में प्याज अब भी 50 से 60 रुपये किलोग्राम, आलू 30-35 रुपये किलोग्राम और टमाटर भी 50 से 60 रुपये के बीच बिक रहा है। जबकि बीते वर्षों के दौरान इन तीनों सब्जियों की कीमतें करीब आधी रहती थी। आरबीआई का आंकड़ा बताता है कि नवंबर 2022 में टमाटर 20 रुपये और आलू व प्याज की कीमतें 30 रुपये प्रतिकिलोग्राम के नीचे थी लेकिन इस बार

सब्जियों की कीमतों में तेजी

सब्जियों की कीमतों में तेजी के पीछे मौसम और पैदावार को मुख्य कारण माना गया है। देश के कई हिस्सों में देरी तक बारिश होने से नई फसल तैयार होने में समय लग रहा है, जिस कारण से अभी तक मांग के अनुरूप सब्जियों की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस कारण से कीमतों में तेजी बनी हुई है। उधर, सितंबर से अब तक खाद्य तेल की कीमतों में भी 10-20 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हो चुका है।

इस साल सबसे ज्यादा प्रभावित ये राज्य

आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि तीन खाद्य तेलों(मूंगफली, सरसों और सूरजमुखी) के दाम तेजी से बढ़े हैं। सितंबर से अब तक मूंगफली तेल की औसत कीमत 130 से बढ़कर 150 रुपये तक पहुंच गई है। सरसों तेल की कीमतें भी 155 से बढ़कर 170 और सूरजमुखी तेल के दाम भी 190 से बढ़कर 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गए हैं।

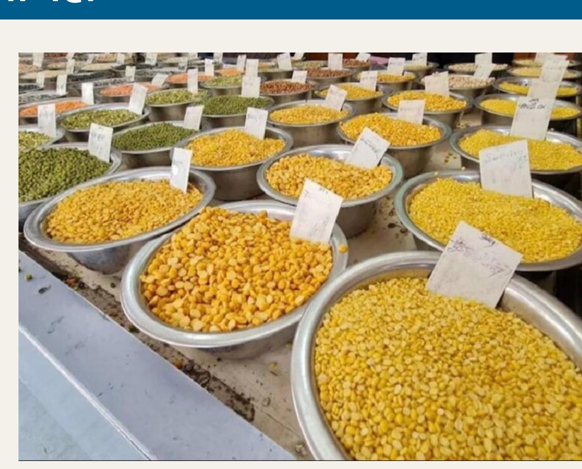

दालों की कीमतों में भी उछाल

अक्टूबर में सबसे ज्यादा सब्जियों के दाम बढ़ हैं तो इस बीच दालों के दामों में भी काफी तेजी देखने को मिली है। चना दाल 80 से बढ़कर 95 रुपये प्रतिकिलोग्राम पर पहुंच गई है। अरहर दाल की औसत कीमतों में भी करीब 10 फीसदी को उछाल आया है जो 160 रुपये से बढ़कर 170 रुपये के पार पहुंच गई है। इसी तरह से आटा भी 30 रुपये प्रतिकिलोग्राम से बढ़कर 34 रुपये तक पहुंच गया है।

शीत सत्र में वक्फ समेत 15 बिल लाने की तैयारी

एजेंसी । चंडीगढ़

केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र में वक्फ संशोधन समेत 15 विधेयक लाने की तैयारी की है। वहीं वक्फ विधेयक को लेकर विपक्षी सांसदों ने संयुक्त संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की। जबकि संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति की रिपोर्ट तैयार है और इस पर सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा।संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। सरकार ने इस सत्र की कार्यसूची में 15 विधेयक सूचीबद्ध कराए हैं। इसमें से पांच नए विधेयक नए हैं। इसके अलावा 10 विधेयक लंबित हैं। जिनमें वक्फ कानून संशोधन विधेयक शामिल

है। समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश होने के बाद वक्फ संशोधन विधेयक को पास कराया जाएगा। समिति के अध्यक्ष ने शीत सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट पेश करने की बात कही है। इसके अलावा सरकार इस सत्र में सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना विधेयक भी लाएगी। वहीं सरकार पंजाब कोर्ट (संशोधन) बिल भी पेश करेगी। इसके तहत दिल्ली की जिला अदालतों में अपीलीय वित्तीय केसों के लिए निर्धारित सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की जानी है।